संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 06
पृष्ठ 8
रविवार
21 सितंबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बार-बार खट्टी डकार आने के कारण..

विचार- राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण की काली...

खेल- पाकिस्तान के खिलाफ बुमराह की...

मोदी का कांग्रेस पर तीखा वार 6 दशक तक विदेशी निर्भरता में उलझाया, घोटालों से रोका देश का विकास

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कांग्रेस की आर्थिक नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि पार्टी ने भारत की क्षमता को नजरअंदाज किया। गुजरात के भावनगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने 1991 से पहले के लाइसेंस–कोटा राज और भारत के बाजार खोलने के बाद आयात पर कांग्रेस के जोर की आलोचना की। आत्मनिर्भरता के अपने आह्वान को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि भारत को आत्मनिर्भर बनना होगा और दुनिया के सामने मजबूती से खड़ा होना होगा। भारत में क्षमता की कोई कमी नहीं है, लेकिन आजादी के बाद

कांग्रेस ने भारत की पूरी क्षमता को नजरअंदाज कर दिया।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि इसलिए आजादी के 6–7 दशक बाद भी भारत को वह सफलता नहीं मिली जिसका वह हकदार था। इसके दो बड़े कारण थे। लंबे समय तक कांग्रेस सरकार ने देश को लाइसेंस–कोटा राज में उलझाए रखा और उसे विश्व बाजार से अलग–थलग रखा। और फिर, जब वैश्वीकरण का दौर आया, तो आयात का ही एकमात्र रास्ता अपनाया गया। उन्होंने यूपीए सरकार के दौरान हुए घोटालों को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि उनकी नीतियों ने भारत की असली ताकत को उजागर होने से रोका। पीएम मोदी ने कहा कि हजारों, लाखों और करोड़ों के घोटाले हुए। कांग्रेस सरकारों की नीतियों ने देश के युवाओं को बहुत नुकसान पहुँचाया। इन नीतियों ने भारत की असली ताकत को उजागर होने से रोका। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि देश का सबसे बड़ा दुश्मन दूसरे देशों पर निर्भरता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत श्विश्वबंधुश् की भावना के साथ आगे बढ़ रहा है। दुनिया में कोई हमारा बड़ा दुश्मन नहीं है। अगर हमारा कोई दुश्मन है, तो वह है दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता। यह हमारा सबसे बड़ा दुश्मन है, और हमें मिलकर भारत के इस दुश्मन, निर्भरता के दुश्मन को हराना होगा। हमें इसे हमेशा दोहराना चाहिए। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्थिर और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करने के लिए भारत बड़ी विदेशी निर्भरता बर्दाश्त नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि विदेशी निर्भरता जितनी अधिक होगी, देश की विफलता उतनी ही बड़ी होगी। वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए, दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश को आत्मनिर्भर बनना होगा। अगर हम दूसरों पर निर्भर रहेंगे, तो हमारे स्वाभिमान को ठेस पहुंचेगी। हम 1.4 अरब देशवासियों का भविष्य दूसरों पर नहीं छोड़ सकते। हम देश के विकास के संकल्प को दूसरों पर निर्भर नहीं छोड़ सकते। हम आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को दांव पर नहीं लगा सकते।

नए जीएसटी सुधारों से बढ़ेगी आमदनी-खपत, वित्त मंत्री बोलीं- जनता तक पहुंचेंगे दो लाख करोड़ रुपये

चेन्नई,एजेंसी। देशभर में नए जीएसटी दरों को लेकर चर्चा तेज है। 22 सितंबर से लागू होने वाले इन दरों को लेकर लोगों ने अपनी मिली जुली प्रतिक्रियाएं भी दी है। ऐसे में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक बार फिर इन नए दरों को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि 22 सितंबर से लागू होने वाले नए जीएसटी सुधारों के कारण देश के लोगों के हाथ में लगभग दो लाख करोड़ रुपये बचेंगे, जिससे घरेलू खर्च और खपत बढ़ेगी। तमिलनाडु फूडग्रेन मर्चेंट्स एसोसिएसन के 80वें स्थापना दिवस समारोह में बोलते हुए सीतारमण ने कहा कि जीएसटी की दरों को चार स्लैब से घटाकर अब केवल दो स्लैब किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि इससे खासकर गरीब, मध्यम वर्गीय परिवार और छोटे–मध्यम उद्योग को फायदा मिले। सीतारमण ने कहा कि इस सुधार के बाद सामान की कीमतें कम होंगी, जिससे लोग ज्यादा खरीदारी करेंगे। उदाहरण के तौर पर, यदि कोई साबुन ज्यादा मात्रा में खरीदता है, तो निर्माता उत्पादन बढ़ाएगा, जिससे रोजगार बढ़ेंगे और सरकार को अधिक टैक्स मिलेगा। यह एक सकारात्मक चक्र है जो अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा होगा। इस दौरान वित्त मंत्री ने ये भी बताया कि जीएसटी लागू होने से पहले टैक्स देने वाले उद्यमियों की संख्या 65 लाख थी, जो अब बढ़कर 1.5 करोड़ हो गई है। इसके साथ ही वित्त मंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के जीएसटी को गब्बर सिंह टैक्स कहकर आलोचना करने की बात पर भी पलटवार किया। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है, बल्कि इसने टैक्स आधार बढ़ाया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गयाजी में आपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए किया पिंडदान

गयाजी,एजेंसी। पितृपक्ष के पावन अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज बिहार की धार्मिक नगरी गयाजी पहुंची और अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान किया। इससे पहले आज सुबह गयाजी

हवाईअड्डे पर श्री मती मुर्मू का भव्य स्वागत किया गया। राष्ट्रपति के स्वागत के लिए प्रदेश के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान स्वयं मौजूद थे। राष्ट्रपति मुर्मू गया हवाईअड्डे से सीधे विष्णुपद मंदिर के लिए रवाना हुई, जहां उन्होंने अपने पितरों की आत्मा की शांति और मोक्ष की प्राप्ति के लिए पिंडदान किया। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर विष्णुपद मंदिर में भी विशेष व्यवस्था की गई थी। उड़ीसा क्षेत्र के पुरोहित मंगल झांगर ने पिंडदान कर्मकांड की प्रक्रिया संपन्न कराई. इस अवसर पर पुरोहित मंगल झांगर ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पितरों के पिंडदान कर्मकांड की प्रक्रिया पूरे धार्मिक विधि विधान के अनुसार संपन्न कराई गई। उन्होंने कहा कि इस दौरान राष्ट्रपति को गयाजी में होने वाले पिंडदान कर्मकांड के महत्व के बारे में भी जानकारी दी गई है। उन्होंने कहा कि श्री मती मुर्मू पहली बार पिंडदान कर्मकांड के लिए गया आई हैं। इससे पहले उनके पूर्वजों ने भी यहां पिंडदान किया था, जिससे संबंधित दस्तावेज भी उन्हें दिखाए गए। उन्होंने कहा कि विष्णुपद मंदिर प्रबंधकारिणी समिति के पास कुछ समय पहले यह सूचना आई थी कि राष्ट्रपति मुर्मू पिंडदान करने गया आ रही है। आज राष्ट्रपति पिंडदान के बाद दिल्ली वापस रवाना हो गईं । इससे पहले शुक्रवार को रिलायंस समूह के चेयरमैन मुकेश अंबानी और उनके पुत्र अनंत अंबानी भी गयाजी पिंडदान करने पहुंचे थे। राष्ट्रपति के कार्यक्रम के मद्देनजर गयाजी में सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किये गए थे और हवाईअड्डे से विष्णुपद मंदिर तक के मार्ग पर पुलिस चाकचौबंद और मुस्तैद थी ।

सीएम ने किया मिशन शक्ति-5.0 का शुभारंभ

हर थाने में मिशन शक्ति केंद्र का उदघाटन

लखनऊ,20 सितम्बर 2025 (यूएनएस)। लखनऊ में आज लोक भवन सभागार में नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए समर्पित मिशन शक्ति–5.0 का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर 1,647 थानों में नवस्थापित मिशन शक्ति केंद्रों का उद्घाटन हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिशन शक्ति केंद्रों से संबंधित एसओपी की पुस्तिकाओं का विमोचन किया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और मंत्री बेबी रानी मौर्या समेत अन्य लोग मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नारी गरिमा और उसके सम्मान को आगे बढ़ाने के लिए पिछले 11 वर्षों में केन्द्र की मोदी सरकार कार्य कर रही है। उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना जैसी योजनाओं के केन्द्र में महिला हैं। पुलिस में महिलाओं की भर्ती की गयी है। 2017 से पहले की सरकारों में भेदभाव होता था। चेहरे देख कर योजनाओं का लाभ दिया जाता था। आज सरकार बिना भेदभाव के बेटियों के विवाह के लिए एक लाख रुपये की सहायता दे रही है। बैंकिंग करस्पांडेट सखी की योजना शुरू की गयी थी। उनके माध्यम से हजारों करोड़ का लेनदेन हो रहा है। वे खुद भी कमाई कर रही हैं। 17 के पहले पोषाहार की स्कीम के साथ शराब के ठेकेदार जुड़े थे। धांधली होती थी। टीएचआर प्लांट लगाया। नीयत ठीक तो योजनाएं खुद रास्ता निकाल लेती हैं। पहले महिलाओं की सुरक्षा का खतरा बना रहता था। बेसिक स्कूलों में पढ़ने वाली बच्चियों के पैर में न चप्पल थी और न सर्दी में पहनने को स्वेटर थे। एक बच्ची ने बताया कि उसके लिए जूते और स्वेटर नहीं है लेकिन उसके भाई के लिए अभिभावक ने सारी चीजें व्यवस्था की है। जब समाज समृद्ध होता है तो राष्ट्र को समृद्ध होने से कोई नहीं रोक सकता। आपने देखा होगा, महिला संबंधी अपराध में संलिप्त अपराधी बाहर से आया था। वह संभवतः मारीच की तरह घुसा था लेकिन जब यहां की पुलिस की गोली ने उसके शरीर को छलनी किया तो वह चिल्ला रहा था कि मैं गलती से उत्तर प्रदेश की सीमा में आ गया हूं, आगे से यूपी नही आऊंगा। यह हर उस अपराधी को करना पड़ेगा जो महिला सुरक्षा में सेंध लगाएगा। उनके सम्मान और उनके स्वावलंबन में बाधक बनेगा। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि साढ़े आठ साल में यूपी की जनता के बीच यह भरोसा कायम हो गया है कि यदि कोई अपराध करेगा तो उसके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई होगी। प्रदेश की बहन बेटियों को भरोसा दिलाता हूं कि हमारी सरकार के प्रति बने उनके विश्वास को टूटने नहीं दिया जाएगा। आज हर थाने में महिला पुलिस मौजूद है। कोई रावण माता सीता का हरण करेगा तो लंका दहन हो जाएगा।उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि पीएम मोदी की सोच को धरातल पर उतारने के लिए 2017 से उत्तर प्रदेश में कार्य किया जा रहा है।

केरल हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी

भरण-पोषण में असमर्थ पुरुष को नहीं है दूसरी शादी का हक

तिरुवनंतपुरम,एजेंसी। केरल हाईकोर्ट ने एक मामले में सुनावई के दौरान अहम और सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि कोई भी मुस्लिम पुरुष, जब तक वह अपनी पत्नियों का भरण–पोषण करने में सक्षम न हो, तब तक उसे दूसरी या तीसरी शादी करने का अधिकार नहीं है। कोर्ट ने इस

बात पर जोर देते हुए कहा कि यहां तक की मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत भी नहीं। यह टिप्पणी जस्टिस पीवी कुन्हीकृष्णन ने तब की जब एक 39 वर्षीय महिला ने अपने पति से 10,000 मासिक गुजारा भत्ते की मांग करते हुए याचिका दायर की। मामले में महिला का आरोप था कि उसका 46 वर्षीय पति जो नेत्रहीन है और भीख मांगकर जीवनयापन करता है, उसे छोड़कर पहली पत्नी के साथ रह रहा है और अब तीसरी शादी करने की धमकी दे रहा है। इससे पहले फैमिली कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा था कि एक भिखारी से गुजारा भत्ता नहीं वसूला जा सकता। हाईकोर्ट ने भी इस पर सहमति जताई और कहा कि एक भिखारी से गुजारा भत्ता दिलवाना अदालत के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। हालांकि मामले में अदालत ने इस बात पर नाराजगी जताई कि आरोपी पति, जो खुद भीख मांगकर गुजारा करता है, वह बार–बार शादियां कर रहा है। अदालत ने कहा कि इस तरह की शादियां मुस्लिम समुदाय में अशिक्षा और धार्मिक कानूनों की सही जानकारी के अभाव में हो रही हैं। इस दौरान अदालत ने कुरान की आयतों का भी हवाला दिया। कोर्ट ने कहा कि इस्लाम बहुविवाह को सामान्य नहीं, बल्कि अपवाद मानता है और जब तक कोई पुरुष सभी पत्नियों के साथ न्याय नहीं कर सकता।

मोदी ने संवैधानिक वादा निभायाः शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर उनके नेतृत्व की सराहना की और राज्यों से किए गए ष्संवैधानिक वादेष को पूरा करने के लिए उनकी सराहना की। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) एक ऐसा सुधार है जो कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारों के दौरान लंबित रहा था।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी हमेशा राष्ट्र को सबसे ऊपर रखते हैं। शाह ने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व ने न केवल अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है, बल्कि भारत की वैश्विक स्थिति, सामाजिक कल्याण और राष्ट्रीय सुरक्षा को भी बदल दिया है।

शाह ने कहा कि जब नरेंद्र मोदी जी प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने संवैधानिक गारंटी दी थी कि कर संग्रह के साथ राज्यों की राजस्व वृद्धि दर लगभग दोगुनी हो जाएगी। उन्होंने एक संवैधानिक वादा किया और उसे पूरा किया। लगभग सभी राज्यों को नवंबर तक भुगतान मिल जाएगा।

मंत्री नन्दी ने छात्र पीयूष सिंह के परिवार से की मुलाकात, आजीवन आर्थिक मदद का किया वादा

–मृतक छात्र की मां को दस हजार रूपए महीने के अनुसार 50 चेक प्रदान किया

–मंत्री नन्दी ने कहा रिश्तों के साथ ही इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली घटना को दिया गया अंजाम

–न्यायिक प्रक्रिया के साथ दोषी के विरूद्ध कठोरतम कार्रवाई के अधिकारियों को दिए निर्देश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने शनिवार को करेली थाना क्षेत्र के संदियापुर की निवासिनी श्रीमती कामिनी सिंह के घर जाकर मुलाकात की। जिनके 17 वर्षीय पुत्र प्रियांशु सिंह उर्फ यश की विगत दिनों जघन्य तरीके से हत्या कर दी गई थी। इस घटना ने हर किसी को स्तब्ध, द्रवित एवं व्यथित किया। मंत्री नन्दी ने अपार दुख की इस घड़ी में मृतक छात्र की मां को ढांढस बंधाते हुए शोक संवेदना व्यक्त किया। वहीं पूरी मजबूती के साथ ही हर स्थिति में साथ देने एवं आजीवन आर्थिक सहायता प्रदान करने का वादा किया। मंत्री नन्दी ने दस हजार रूपए प्रति माह के अनुसार 50 चेक के माध्यम से अग्रिम राशि पीड़ित परिवार

को प्रदान की। वहीं न्यायिक प्रक्रिया के साथ दोषी के विरूद्ध कठोरतम कार्रवाई के निर्देश अधिकारियों को दिए।

मंत्री नन्दी ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देने की प्रार्थना की। मंत्री नन्दी ने कहा कि बहुत ही दुर्दात मानसिकता वाले व्यक्ति की वजह से एक हंसता–खेलता हुआ परिवार उजड़ गया। एक बच्चा जो पढ़ने–लिखने में बहुत मेधावी था। उसे बहुत जीना था। कुछ बनना था। अपने परिवार का सहारा बनना था। लेकिन दरिंदगी का शिकार हुआ। इस जघन्य हत्या को अंजाम देने वालों के खिलाफ कठोर से कठोरतम कार्रवाई के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। मंत्री नन्दी ने कहा कि छात्र के गुमशुदगी की जानकारी होने पर उस समय भी वरिष्ठ अधिकारियों से वार्ता कर जांच प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए गए थे। जिसके कुछ ही घंटों बाद पुलिस की सक्रियता से पूरे घटनाक्रम का खुलासा हुआ था। रिश्तों के साथ ही इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली घटना को अंजाम देते हुए कुछ दिनों पहले करेली थाना क्षेत्र के सदियापुर में रहने वाले 17 वर्षीय छात्र पीयूष सिंह उर्फ यश की हत्या कर दी गई थी। शव को कई टुकड़ों में विभक्त कर विभिन्न स्थानों पर फेंक दिया गया था। इस घटना ने हर किसी को द्रवित और व्यधित किया। मंत्री नन्दी के साथ भाजपा महानगर अध्यक्ष अनिल केसरवानी झल्लर, पार्षद साहिल अरोड़ा, गया प्रसाद निषाद, पूर्व मंडल अध्यक्ष रणविजय सिंह, मनोज गुप्ता आदि मौजूद रहे।

कागजी दावों में शौचालय लेकिन गांवों में अभी तक खुले में शौच

प्रयागराज। कौंधियारा स्वच्छ भारत मिशन के तहत लाखों शौचालय बनने के सरकारी दावों के बावजूद आज भी कई गांवों में लोग खुले में शौच जाने को मजबूर हैं। यह न सिर्फ स्वच्छता अभियान की अधूरी तस्वीर दिखाता है, बल्कि ग्रामीण जीवन की हकीकत भी उजागर करता है। आर्थिक मदद मिलने के बाद भी कुछ परिवारों ने शौचालय नहीं बनवाए, कुछ ने अधूरा छोड़ दिया और कई जगह पानी की कमी ने बने–बनाए शौचालयों को बेकार कर दिया। नतीजा यह हुआ कि महिलाएं और बच्चियां आज भी सुबह–शाम खेतों और सुनसान स्थानों पर जाने को विवश हैं। इससे सुरक्षा और स्वास्थ्य दोनों पर खतरा बना रहता है।

गांवों की गलियों और तालाब किनारे फैली गंदगी संक्रामक बीमारियों को न्योता देती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि जब तक ग्रामीण मानसिकता नहीं बदलेगी और शौचालय का नियमित उपयोग सुनिश्चित नहीं होगा, तब तक स्वच्छ भारत का सपना अधूरा ही रहेगा। यह समस्या बताती है कि ढांचागत निर्माण से ज़्यादा ज़रूरी है जागरूकता, भागीदारी और ज़मीनी निगरानी। देश ने जब 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर स्वच्छ भारत मिशन को अपनाया, तब गांव–गांव में एक नई उम्मीद जगी थी। लाखों करोड़ रुपये खर्च हुए, अभियान को लेकर बड़े पैमाने पर प्रचार हुआ और गांव–गांव तक स्वच्छता की गूंज पहुंची। लेकिन आज, एक दशक बाद, जब हम प्रयागराज जनपद के कौंधियारा विकासखंड की गलियों में चलते हैं, तो पाते हैं कि तस्वीर उतनी चमकदार नहीं है जितनी सरकारी रिपोर्टों में दिखाई जाती है। जारी, सेमरी, नौगवां, बड़हा, खपटीहा, पिपरहटा, जेठूपुर, सोढिया, बेनीपुर, कंचनवा और पीड़ी, जोखनई, ढोंधरी, जैसे गांव आज भी खुले में शौच की समस्या से जूझ रहे हैं। काग़ज़ों पर ज्यादातर गांव ओडीएफ यानी खुले में शौच से मुक्त घोषित हो चुके हैं। लेकिन ज़मीनी सच्चाई कहती है कि इन गांवों में केवल 60 फीसदी घरों में ही शौचालय बने हैं। बहुत से परिवारों को सरकार से जो राशि मिली, उसका उपयोग शौचालय में नहीं हुआ। कहीं राशि पूरी नहीं पहुंची, तो कहीं निर्माण बीच में ही अधूरा छोड़ दिया गया। गांवों की पगडंडियों पर आज भी सुबह और शाम को महिलाओं और बच्चों का झुंड खेतों की ओर जाता दिखाई देता है। खेतों के मेड़, खाली पड़ी जमीनें और तालाब के किनारे अब भी शौच

स्थलों के रूप में इस्तेमाल हो रहे हैं। यह दृश्य न सिर्फ बदबू और गंदगी फैलाता है, बल्कि बीमारियों का स्थायी कारण भी है। घ्बीमारी का स्थायी खतरा खुले में शौच करना सिर्फ आदत नहीं, बल्कि स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा है।डायरिया, हैजा, टाइफाइड और पेचिश जैसी बीमारियाँ हर साल सैकड़ों बच्चों और बुजुर्गों को प्रभावित करती हैं।स्वास्थ्य विभाग के अनुसार पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मौत का एक बड़ा कारण बार–बार होने वाला डायरिया है, जिसकी जड़ खुले में शौच ही है। गंदगी से दूषित पानी के कारण जठरांत्र रोग आम हैं। डॉक्टरों का कहना है कि जब तक लोग खुले में शौच की आदत नहीं छोड़ेंगे, तब तक बीमारियों का चक्र नहीं टूटेगा। घ्महिलाओं और बच्चियों की पीड़ा इस समस्या की सबसे बड़ी मार महिलाओं और बच्चियों पर पड़ती है।उन्हें सुबह या रात अंधेरे में शौच के लिए खेतों और जंगलों में जाना पड़ता है। असुरक्षा, छेड़छाड़ और सांप–बिच्छू का खतरा हर समय बना रहता है। कई बार लोग दिनभर शौच रोककर रखते हैं, जिससे उन्हें गंभीर बीमारियां हो जाती हैं। घरिपोर्टों में स्वच्छ, हकीकत में गंदगी किसान नेता पंकज मिश्रा कहते हैं कि सरकार ने योजना बनाई, पैसा दिया, शौचालय बनवाए। लेकिन असली बदलाव तभी होगा जब ग्रामीण खुद आगे आएं। ग्रामीण इलाकों में आज भी खुले में शौच की समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है। हालत यह है कि कई जगह लोग सड़कों को ही शौचालय बना देते हैं, जिससे न केवल बदबू फैलती है बल्कि आमजन का गुजरना भी मुश्किल हो जाता है। आंकड़ों के अनुसार यहां केवल 60 प्रतिशत घरों में ही शौचालय हैं। सरकार द्वारा प्रत्येक घर में शौचालय बनवाने के लिए सहयोग राशि दी गई, लेकिन कई लोगों ने इस राशि से शौचालय नहीं बनवाया तो कई के लिए राशि अपर्याप्त साबित हुई। सरकार की ओर से स्वच्छ भारत अभियान के तहत लोगों को जागरूक करने और खुले में शौच से होने वाली बीमारियों से बचाने के दावे तो खूब किए गए, पर हकीकत गांवों में जाकर ही सामने आती है। जारी, सेमरी, बड़हा, खपटीहा और पिपरहटा जैसे कई अन्य गांवों में सड़कें अब भी शौचालय का रूप ले चुकी हैं। बड़ा सवाल यह है कि लोग आखिर कब जागरूक होंगे और स्वच्छता को अपनी जिम्मेदारी मानेंगे। घ्पंचायत और प्रशासन की भूमिका गांवों में शौचालय योजना की जिम्मेदारी पंचायतों के कंधों पर है। लेकिन कई ग्राम प्रधानों ने सिर्फ कागज़ों में काम दिखाया। कहीं घटिया निर्माण हुआ, कहीं आधे–अधूरे शौचालय बने। प्रशासन की निगरानी कमजोर रही। अधिकारी गाँवों में निरीक्षण करने आते हैं, लेकिन स्थायी समाधान की दिशा में कदम कम उठाते हैं। अधूरे काम ने स्वच्छता की चमक की फीकी विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि दुनिया में हर साल लाखों लोग खुले में शौच से फैलने वाली बीमारियों से मरते हैं। यूनिसेफ की रिपोर्ट बताती है कि अगर हर घर में शौचालय उपलब्ध हो और उसका उपयोग हो, तो बच्चों की मृत्यु दर 30 फ़ीसदी तक घट सकती है। भारत ने स्वच्छ भारत मिशन से विश्व को बड़ा संदेश दिया, लेकिन अधूरे काम ने उस चमक को फीका कर दिया है। स्वच्छ भारत मिशन ने देश में स्वच्छता को पहली बार राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनाया। लेकिन मिशन की सफलता सिर्फ शौचालय बनाने से नहीं होगी। जब तक लोग उसका उपयोग नहीं करेंगे और मानसिकता नहीं बदलेगी, तब तक खुले में शौच की समस्या खत्म नहीं होगी। विकासखंड कौंधियारा के दर्जनों गांवों की हकीकत हमें यह याद दिलाते हैं कि अभी लंबा रास्ता तय करना बाकी है। यह सिर्फ गंदगी या बीमारी का मुद्दा नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और गरिमा से जुड़ा प्रश्न है। सरकार ने कदम बढ़ाया है, पर असली सफलता तभी आएगी जब हर नागरिक इसे अपनी जिम्मेदारी समझेगा। घ्घरों से कूड़ा उठता ही नहीं तो निस्तारण कैसा लाखों रुपये की लागत से गांव में कूड़ा संग्रह केंद्र (आरआर सेंटर) का निर्माण कराया गया है। इसका उद्देश्य यह है कि घरों से निकलने वाला कूड़ा सफाई कर्मचारी वाहन से लाकर यहां डंप करेगा। इसके बाद कूड़े का निस्तारण किया जाएगा। घरों से कूड़ा उठाने के लिए ग्राम पंचायत की ओर से वाहन भी खरीदा जा चुका है लेकिन न डोर टू डोर कूड़ा उठाया जा रहा है और न उसका निस्तारण किया जा रहा है। यही नहीं सफाई कर्मचारी गांव में सफाई करने आता ही नहीं है। इसकी शिकायत कई बार ब्लॉक पर की जा चुकी है लेकिन कोई असर नहीं हुआ। नतीजा घरों से निकलने वाला कूड़ा लोग आस–पास फेंक देते हैं। इससे पूरे गांव में जगह–जगह कूड़ा जमा रहता है। विकासखंड कौंधियारा के दर्जनों गांव ऐसे हैं जहां कूड़ा संग्रह केंद्रों में आज तक ताला ही लगा हुआ है। कभी खोला ही नही जाता। घ्बदहाल सामुदायिक शौचालय में लटक रहा ताला गरीब परिवारों की सहूलियत के लिए गांव में सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराया गया है। इसकी देखभाल करने के लिए केयर टेकर की नियुक्ति की गई है लेकिन सामुदायिक शौचालय में ताला बंद रहता है। वर्तमान में विकासखंड कौंधियारा अन्तर्गत बने सामुदायिक शौचालय बेहद बदहाल दशा में है अंदर इतनी गंदगी है कि उसका प्रयोग करने से लोग बचते हैं। दरअसल, सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराने के बाद से उसकी रंगाई–पुताई कभी नहीं कराई गई, नतीजा वह बदहाल दशा में पहुंच चुका है। जबकि ग्राम पंचायत की ओर से केयर टेकर को हर महीने मानदेय का भुगतान किया जा रहा है। इसकी हकीकत शौचालय के बाहर गंदगी और झाड़ियों को देखकर जानी जा सकती है। घशिकायतें 1. गांव में शौचालय बने ही नहीं, लोग अब भी खुले में जाने को मजबूर हैं। 2. बने हुए शौचालयों में पानी की कोई व्यवस्था नहीं है, इसलिए वे बेकार पड़े हैं। 3. कुछ परिवारों ने सरकारी पैसे से शौचालय तो बनवाए, लेकिन उसका उपयोग नहीं करते। 4. पंचायत और अधिकारी केवल कागज़ों पर गाँव को ओडीएफ दिखा देते हैं, असलियत कोई नहीं देखता। 5. महिलाएं और बच्चियां असुरक्षा की वजह से परेशान हैं, फिर भी उनकी समस्या को गंभीरता से नहीं लिया जाता। सुझावरू– 1. गांव–गांव में नुक्कड़ नाटक और बैठकों से लोगों को जागरूक किया जाए। 2. हर गांव में पानी की स्थायी व्यवस्था हो, तभी शौचालय चलेंगे। 3. महिलाओं को ग्राम सभा और स्वच्छता समितियों में अहम भूमिका दी जाए।

छात्रों ने सीखे भावनात्मक संतुलन और तनाव प्रबंधन के उपाय

प्रयागराज। ईसीसी के मनोविज्ञान विभाग की ओर से तीन दिनी कार्यशाला का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू तिवारी के नेतृत्व और मनोवैज्ञानिक हिमांशु तिवारी के संचालन में हुई कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्रों को भावनात्मक संतुलन, डिजिटल युग की चुनौतियों से निपटने और तनाव प्रबंधन के प्रति जागरूक करना रहा। पहले दिन रोल–प्ले और गतिविधियों के माध्यम से नकारात्मक भावनाओं को सकारात्मक कार्यों में बदलने के व्यावहारिक उपाय बताए गए। दूसरे दिन का केंद्र सोशल मीडिया और डिजिटल पहचान रहा। तीसरे दिन अकादमिक दबाव, करियर प्रतिस्पर्धा और आत्म–संवेदनशीलता जैसे विषयों पर चर्चा हुई। डॉ. मंजू तिवारी ने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं मन और हृदय, कक्षा और जीवन के बीच सेतु का कार्य करती हैं। हमारा उद्देश्य केवल अकादमिक उत्कृष्टता नहीं, बल्कि भावनात्मक रूप से सक्षम और सामाजिक रूप से उत्तरदायी छात्र तैयार करना है।

पूर्व ज्येष्ठ ब्लॉक प्रमुख के निधन पर शोक जताया

प्रयागराज। कांग्रेस कमेटी यमुनापार के महासचिव संजय द्विवेदी के पिता पूर्व ज्येष्ठ ब्लाक प्रमुख मांडा तारकेश्वर नाथ द्विवेदी का 16 सितम्बर को निधन हो गया। वे 1995–2000 तक ज्येष्ठ ब्लॉक प्रमुख मांडा रहे। मांडा खास स्थित लाल बहादुर शास्त्री इंटर कॉलेज से प्रवक्ता पद से वे सेवानिवृत्त थे। उनके निधन पर सांसद उज्जवल रमण सिंह, पूर्व विधायक अनुग्रह नारायण सिंह, पूर्व विधायक रामकृपाल कोल, जिलाध्यक्ष यमुनापार अशोक सिंह पटेल, सुशील तिवारी, पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप मिश्र अंशुमन, जितेन्द्र कुमार राय, डॉ राधेश्याम यादव, विनय पांडेय आदि ने दुःख जताया है।

मोटर पंप पर पांच वर्ष और सोलर पैनल पर बीस वर्ष की गारंटी

प्रयागराज। पीएम कुसुम योजना के तहत जिले में 2 एचपी से लेकर 10 एचपी तक के विभिन्न क्षमता के सोलर पंप लगाए जा रहे है। इस योजन के तहत सोलर पैनल पर बीस वर्ष और पंप मोटर पर पांच वर्षों की गारंटी होगी। विभिन्न कंपनियों की ओर से लगाए जा रहें किसी भी तकनीकी और दैविक आपदा में मोटर पंप पर पांच वर्ष और पैनल पर बीस वर्षों तक मरम्मत के लिए कोई शुल्क नहीं देना होगा। उप कृषि निदेशक पवन कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि तकनीकी खराबी होने पर मरम्मत के लिए विभिन्न कंपनियों के टोल फ्री नंबर पर संपर्क किया जा सकता है।

किसान 25 सितंबर तक करें आवेदन

प्रयागराज। प्रदेश सरकार की ओर से मुफ्त में दलहनी और तिलहनी फसल की बीजों की मिनीकिट वितरण के लिए जिले के किसान एक से 25 सितंबर तक कृषि विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन बुकिंग और आवेदन कर सकते है। मिनीकिट लाभार्थियों का चयन ई–लॉटरी प्रक्रिया के आधार पर की जाएगी।

शिक्षकों ने लगाया मानसिक उत्पीड़न का आरोप, डीएम से शिकायत

प्रयागराज। जगत तारन गोल्डेन जुबली स्कूल के शिक्षकों ने प्रबंधन और प्रधानाचार्य सुष्मिता कानूनगो पर मानसिक उत्पीड़न और दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी से शिकायत की है। लंबे समय से स्कूल में कार्यरत शिक्षकों का कहना है कि शिक्षकों के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाने के उद्देश्य से नित नए तरीके खोजना, अमर्यादित और अपशब्द बोलना, उपहास करना, व्यंगात्मक टिप्पणी आदि दुर्व्यवहार किया जा रहा है। एक ही गलती के लिए प्रधानाचार्या पहले अपने कक्ष में बुलाकर डांटती, फटकारती हैं और फिर कारण बताओ नोटिस जारी करना, वेतन कटौती और

प्रार्थना सभा में सार्वजनिक रूप से शिक्षकों को लताड़ लगाती हैं। शिक्षकों का कहना है कि उन्होंने विद्यालय प्रबंधतंत्र, सीबीएसई, जिला विद्यालय निरीक्षक और उच्च अधिकारियों से शिकायत की लेकिन प्रबंधतंत्र ने आज तक प्रधानाचार्या के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। समन्वयक स्मिता समद्दार भी दुर्व्यहार कर रही है। वहीं प्रधानाचार्या सुष्मिता कानूनगो का कहना है कि जिन शिक्षकों को पढ़ाने की बजाय राजनीति और गुटबाजी करनी है वे ही झूठे आरोप लगा रहे हैं। सीबीएसई के दिशा–निर्देशों के अनुसार सेवा शर्तें बनाई गई है जिसे ये शिक्षक मानने को तैयार नहीं है। ये ही लोग विरोध और स्कूल स्टाफ से दुर्व्यवहार कर रहे हैं।

निबंध लेखन में नागेन्द्र, भाषण में विष्णु कुमार विजेता

प्रयागराज। हिंदी पखवाड़े के तहत शुक्रवार को केपी इंटर कॉलेज में निबंध लेखन एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। निबंध लेखन में नागेन्द्र कुमार प्रथम, श्रेया पांडेय द्वितीय व रिया कुशवाहा तृतीय स्थान पर रहीं जबकि श्रेया सिंह व मंजीत

कुमार को सांत्वना पुरस्कार मिला। भाषण प्रतियोगिता में विष्णु कुमार प्रथम, विवेक भास्कर द्वितीय व रिया कुशवाहा तृतीय रहीं जबकि शिवम मिश्र व कशिश चौरसिया को सांत्वना पुरस्कार मिला। प्रधानाचार्य डॉ. योगेन्द्र सिंह ने सभी को पुरस्कृत किया। प्रवीन चन्द्र, साधना मौर्य एवं विजय नारायण सिंह निर्णायक रहे और संचालन उमेश खरे ने किया। दिनेश कुमार श्रीवास्तव, सुदीप कुमार, राकेश कुमार एवं राम निवास ने सहयोग दिया।

ब्लॉक प्रमुख ने किया धनुपुर ब्लॉक के घमहा बीरेसाव गांव में आंगनबाड़ी केंद्र का लोकार्पण

प्रयागराज। हडिया तहसील अंतर्गत धनुपुर ब्लॉक के घमहा बीरेसाव गांव में आंगनबाड़ी केंद्र का ब्लॉक प्रमुख धनुपुर श्रीमती ज्योति यादव व खंड विकास अधिकारी धनुपूर डॉक्टर कंचन यादव ने फीता काटकर लोकार्पण किया और इस मौके पर सहायक विकास अधिकारी धनुपुर खेमराज व ग्राम पंचायत अधिकारी तनय कुमार तिवारी भी उपस्थित रहे। और वही पत्रकारों से बातचीत के दौरान मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख ज्योति यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा विभिन्न ग्राम सभाओं में आज आंगनबाड़ी केंद्र का

उद्घाटन किया जा रहा है वहीं धनुपूर ब्लॉक के 6 ग्राम सभा में आज आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन किया गया और उन्होंने यह भी कहा कि धात्री और गर्भवती महिलाओं तथा नौनिहालों की अच्छी सेहत के लिए हर गांव में आंगनबाड़ी केंद्र होना बहुत जरूरी है। वैसे तो कई गांव में विभागीय उदासीनता के चलते सिर्फ कागज पर आंगनबाड़ी केंद्र चल रहे हैं। लेकिन इस गांव को बेहतर बनाने के लिए खंड विकास अधिकारी डॉक्टर कंचन यादव व ग्राम प्रधान विजय मिश्र और ग्राम सचिव तनय कुमार तिवारी की देख रेख में बहुत ही शानदार पंचायत भवन व आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण कराया गया है। और वही पर ग्राम प्रधान विजय मिश्रा ने बताया कि आज ब्लॉक प्रमुख ज्योति यादव व खंड विकास अधिकारी डॉक्टर कंचन यादव व सहायक विकास अधिकारी खेमराज यादव , ग्राम पंचायत अधिकारी तनय कुमार तिवारी के उपस्थिति में आंगनबाड़ी केंद्र का फीता काट कर लोकार्पण किया गया और यह भी बताएं कि हमारा एक ही उद्देश्य था कि हम जीतेंगे तो 25 सालों का काम 5 साल के अंदर पूरा करके दिखाया जहां रास्ता नहीं था वहां रास्ता बनवाया जहां खड़ंजा नहीं था वहां खड़ंजा बनवाया सब के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सब का साथ सब का विकास सब का विश्वास हमने किया इस मौके पर धनुपूर ब्लॉक प्रमुख ज्योति यादव खंड विकास अधिकारी डॉक्टर कंचन यादव व सहायक विकास अधिकारी खेमराज ग्राम प्रधान विजय कुमार मिश्रा ग्राम पंचायत अधिकारी तनय कुमार तिवारी जेई आर एस विक्रम प्रसाद सोनकर एवं रोजगार सेवक वह आंगनबाड़ी महिलाएं एवं ग्राम सभा घमहा बीरेसाव के समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे।

मेयर के निरीक्षण में खराब मिली मंदिर मार्ग की सड़कें

प्रयागराज। नवरात्र के दृष्टिगत मेयर गणेश केसरवानी ने शुक्रवार को ललिता देवी, रामबारात के चौकी मार्ग व मंदिर व पार्क के आसपास का निरीक्षण किया। ललिता देवी मंदिर के आसपास पेड़ों की डालियां लटकी मिलीं, क्षेत्रीय पार्षद साहिल अरोरा ने बताया कि मंदिर, बरगद घाट जाने वाले मार्ग और लिंक गलियों में स्ट्रीट लाइटें बुझीं हैं। राम बारात पार्क मैदान में कीचड़ मिला। निरीक्षण के समय दिनेश सचान, संजय कटियार, महेश कुमार, सौरभ आदि उपस्थित रहे।

होम्योपैथिक कॉलेजों को मिले दो प्रोफेसर

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने आयुष होम्योपैथी विभाग के तहत राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेजों को प्रोफेसर रिपर्टरी के तीन पदों का परिणाम शुक्रवार को घोषित कर दिया। 17 सितंबर को आयोजित साक्षात्कार में दस अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया जिनमें सुतापा नंदी और रागिनी शिवहरे का चयन हुआ है। उपसचिव डीपी पाल के अनुसार अभ्यर्थी उपलब्ध न होने के कारण एससी का एक पद खाली रह गया।

डीआरएम कार्यालय से स्टेशन तक निकाली रैली

प्रयागराज। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत शुक्रवार को डीआरएम कार्यालय से प्रयागराज जंक्शन तक साइक्लॉथान एवं वाकथॉन का आयोजन किया गया। इस आयोजन में प्रयागराज मंडल के विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

नशे से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनें युवा: मनीष चौधरी

महर्षि कालू बाबा की जयंती पर समाजसेवी मनीष चौधरी ने किया हवन, युवा वर्ग को दिया सबसे पहले देश की भावना रखने का संदेश

मुजफ्फरनगर। महर्षि कालू बाबा की जयंती के पावन अवसर पर नगर में श्रद्धा और उत्साह वातावरण नजर आया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रसिद्ध समाजसेवी मनीष चौधरी ने अन्य अतिथियों के साथ हवन कराया और पूजा–अर्चना के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

संत महर्षि कालू बाबा सेवा समिति एवं कश्यप समाज के गणमान्य लोगो के तत्वाधान में शनिवार को शामली रोड काली नदी के पास भगवान महर्षि कश्यप चौक पर संत महर्षि कालू बाबा जयंती पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच हवन यज्ञ से हुई। क्षेत्रीय संत–महात्माओं व समाजसेवियों ने हवन में आहुतियां अर्पित कीं और देश की समृद्धि व शांति के लिए प्रार्थना की। आयोजकों द्वारा युवाओं को सामाजिक समरसता, देशभक्ति और नशा मुक्ति का प्रेरणादायक संदेश दिया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि समाजसेवी मनीष चौधरी ने महर्षि कालू बाबा के जीवन आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कालू बाबा ने अपने जीवन में सदैव मानव सेवा, धार्मिक एकता और सत्य के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे देश सबसे पहले, की भावना को अपने जीवन में आत्मसात करें, हर धर्म का सम्मान करें और नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहें। मनीष चौधरी ने कहा कि यह वो ही समाज है, जिनके पूर्वजों ने प्रभु सियाराम को संकट के समय में भव सागर पार कराया था और आज यही समाज अनेकानेक समस्याओं के भव सागर में फंसा हुआ है, इसके लिए भी सरकारों को और शासन प्रशासन को विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं को राष्ट्र मजबूत बनाने के लिए अपना योगदान देने के लिए आगे आना होगा। युवा पथभ्रष्ट न हों और समाज के साथ ही सभी धर्म और समुदाय का सम्मान करते हुए अपने महापुरुषों के आदर्श को आत्मसात करे। इस धार्मिक अवसर पर भाजपा नेता श्री मोहन तायल ने अपने साथियों के साथ पहुंच कर महर्षि कश्यप को माल्यार्पण कर आशीर्वाद लिया इस दौरान मुख्य रूप से समिति के अध्यक्ष नवीन कश्यप, लक्ष्य कश्यप, हंसराज कश्यप, नरेश कश्यप एडवोकेट, प्रमोद कश्यप, रवि कश्यप, राजन कश्यप, सुखपाल कश्यप, धर्म सिंह कश्यप, प्रदीप कश्यप, आदेश कश्यप, ऊषा कश्यप, मदन कश्यप, नेपाल कश्यप, सोनू कश्यप सहित सैंकड़ों लोग शामिल रहे।

पितृपक्ष में श्राद्ध लेकिन कौवे के प्रति मौन

डॉ० प्रदीप चित्रांशी

ज्येष्ठ माह में आकाश से बरसते अंगारों को शान्त करने के लिए आषाढ़ के बादल जब नभ में विचरण करने लगते हैं तब प्यासी धरती उन्हें देखकर हर्षित हो जाती है। जगत के सारे प्राणी उनके स्वागत के लिए तरह–तरह के स्वागत गीत गाने लगते हैं। प्राणियों के अनुरोध पर बादल धरा से मिलने के लिए बारिश की जलबूँद बनकर आते हैं। उनके आते ही धरती पर हरियाली छा जाती है। वातावरण में एक गुनगुनाती चहक सुनाई देने लगती है। यही चहक नाना त्योहारों का रूप लेकर घर–घर में उत्सव का बीज बोती है। जिससे सकारात्मक ऊर्जा,उर्जित हो मानव को दिल की भाषा पढ़ने का सलीका सिखाती है। इसी को पढ़ने के बाद मनुष्य, पशु–पक्षी, वृक्ष और दरिया के दिल की बात को आसानी से समझने लगता है। वह उन्हें भी अपने परिवार का सदस्य मानकर उनके सुख–दुख का साझीदार बनता है।

सुख–दुख के साझीदार अर्थात गाँवों की वह संस्कृति जो हमें वन्य जीव को जीने का हक़ दिलती है तथा पालतू पशु–पक्षियों को उनकी आवश्यकतानुसार उन्हें भोजन मुहैया कराकर, उनसे संवाद स्थापित कराती है। कभी मनुष्य के साथी गाय–बैल, कुत्ता, कौआ, चींटी इनके अलावा भी बहुत से पशु–पक्षी हैं जो मानव बस्तियों में ही रहना पसन्द करते हैं तथा मानवों को सुरक्षा देने के साथ उनकी सेवा भी करते हैं। समय के साथ–साथ विकास की आँधी में जंगल की बात छोड़िए अब गाँव भी किताब के पन्नों में समाहित होकर अपने अस्तित्व के लिए संघर्षरत दिखाई देते हैं। शहरों के विस्तारीकरण से घुटनभरी जिन्दगी जीने वाली नदियाँ रौद्र

रूप धारण कर पूरी धरती को निगल जाना चाहती हैं। इनके इसी व्यवहार के कारण बहुत से लोग घर से बेघर हो जाते हैं जिन्हें बाढ़ पीड़ित के नाम से समाज जानता है। इसी बाढ़ के बीच में बहुत से त्योहार आते हैं। अश्वनि माह के प्रथम पक्ष में पितृपक्ष, द्वितीय पक्ष में नवरात्रि, दुर्गापूजा, दशहरा जैसे त्योहार इस माह को विशिष्ट बनाने में अपना योगदान प्रदान करते हैं।

पितृपक्ष अश्वनि माह के प्रथम पक्ष में मनाया जाने वाला वह त्योहार है जिसमें लोग अपने पितरों को श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हैं और उनके लिए पिण्डदान करते हैं। इसे सोलह श्राद्ध, महालय पक्ष, अपर पक्ष आदिक नामों से जाना जाता है। इस समय गाय, कौआ, देव, कुत्ता और चींटी के आकार का काला पक्षी ध्यान में आता है जो कर्ण–कर्कश ध्वनि 'काँव–काँव करता है। कौए की छः प्रजातियाँ मिलती हैं लेकिन दो ही प्रमुख हैंकृ जंगली कौआ जो पूरी तरह काला होता है, दूसरा घरेलू कौआ, जिसके गले में एक स्लेटी पट्टी होती है। शायद इसी को देखकर तुलसीदास जी ने 'काक भुशंडीश नाम के अमर पात्र की संकल्पना की हो, जिसके गले में कंठी माला सी पड़ी होती है।

पितृपक्ष में कौए को भोजन कराने के पीछे भी एक किंवदंती है कि एकबार एक कौए ने माता सीता के पैर में चोंच मार दी थी, जिससे उनके पैर में घाव हो हो गया था। घाव देखकर भगवान श्रीराम ने अपने बाण से कौवे की आँखें फोड़ दी। बाद में कौवे को पछतावा हुआ तो प्रभु श्रीराम ने उसे आशीर्वाद दिया और कहा कि तुमको खिलाये हुये भोजन से पितृ तृप्त होंगे। यह कौआ और कोई नहीं देवराज इन्द्र के पुत्र जयन्त थे इसीलिए

कौआ श्राद्ध का भोजन कर ले तो समझा जाता है कि पितृ प्रसन्न हैं अन्यथा नाराज। आजकल पितृपक्ष में ख़ासतौर से शहरी क्षेत्र के अन्तर्गत कौए नहीं मिल रहें हैं फिर भी लोग श्राद्ध कर रहे हैं और कौए के अस्तित्व प्रति मौन हैं।

मानव– मौन ही कौआ के करीबी रिश्तों पर ऐसी धुंध है जिसके पार का मानवीय रिश्ता जिसमें एक कशिश और मिठास थी, भौतिकता के विकास की आँधी में कहीं लुप्त हो गयी है। मोबाइल के युग में लोगों को शायद इस पक्षी कौए की आवश्यकता महसूस नहीं होती होगी क्योंकि उन्हें विश्वास है कि ए.आई. सबकुछ बता देगा, इसीलिए वह भूल गए हैं कि मुंडेर पर बैठकर मेहमानों के आने की पूर्व सूचना के साथ अच्छे और बुरे समाचार की भी सूचना समय से पूर्व ही यह पक्षी दे देता है क्योंकि कौए का मस्तिष्क लगभग मानव–मस्तिष्क की ही तरह विकसित होता है। यह मित्रता के साथ शत्रुता भी निभाना जानता है। हमलोग जहाँ जा रहे हैं वहाँ पर कौए हम लोगों के साथ शत्रु जैसा व्यवहार न करें, आज ही इस पर विचार करने की आवश्यकता है वर्ना वह दिन दूर नहीं जहाँ त्यौहार तो रहेंगे लेकिन उसके अंतस में समाई खुशियाँ नदारद रहेंगी।

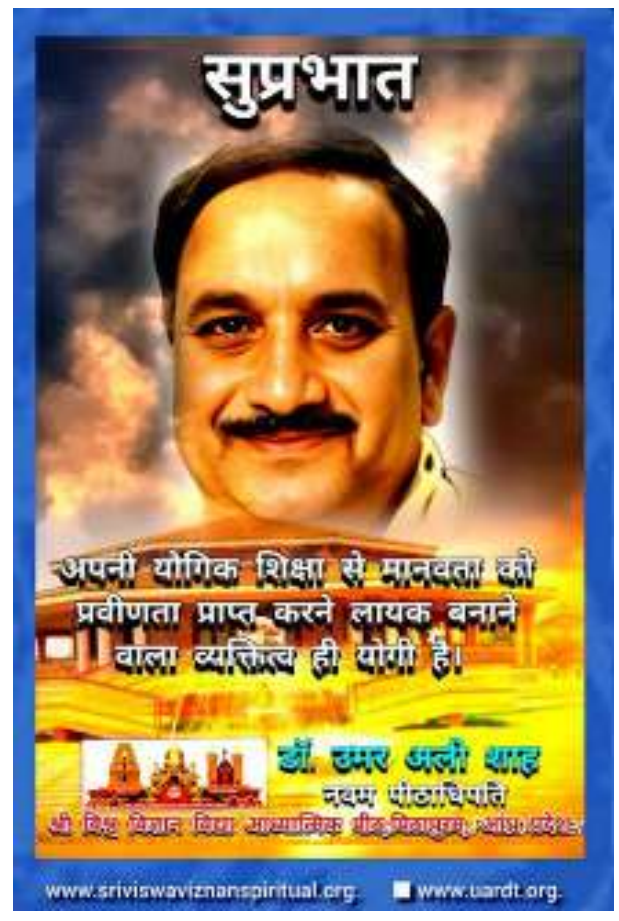

फूल बेला के

(कुण्डलिया)

खिलता आधी रात में, सुन्दर श्वेत प्रसून।
खुशबू को अंतस भरे, लिखता है मजमून।
लिखता है मजमून, जिसे बेला हैं कहते।
गुच्छों में में इक साथ,हमेशा खिलते रहते।
सुन लो कहें प्रदीप,इत्र भी इससे मिलता।
चन्दा का पा छाँव, भोर से पहले खिलता।।

पंखुरियों का क्षीर–सा,निर्मल पावन रंग।
भरता है माहौल में,मोहक मधुर उमंग।
मोहक मधुर उमंग,फूल बेला के अन्दर।
खुशबू से भरपूर, कामिनी–वेणी बनकर।
सुन लो कहें प्रदीप, जहाँ पर भी यह होता।
भौरे लेते स्वाद, सदा इन पंखुरियों का।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए समर्पित मिशन शक्ति 5.0 अभियान का शुभारंभ,

एन आई सी में दिखाया गया कार्यक्रम का सीधा प्रसारण

मुजफ्फरनगर सप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए समर्पित मिशन शक्ति 5.0 अभियान का दिनांक 22 सितंबर से शुरू होने वाले अभियान का किया शुभारंभ, सभी 1647 स्थान में नव स्थापित मिशन शक्ति केंद्रों का उद्घाटन, मिशन शक्ति केंद्रों से संबंधित एस ओपी की पुस्तिकाओं का विमोचन एवं विभिन्न जन– कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद कार्यक्रम लखनऊ में आयोजित किया गया,जिसका सीधा प्रसारण एन

आईसी में माननीय राज्य मंत्री उर्जा एवं वैकल्पिक ऊर्जा विभाग उत्तर प्रदेश जनपद के प्रभारी मंत्री डॉ सोमेंद्र तोमर जी तथा माननीय कैबिनेट मंत्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग उत्तर प्रदेश सरकार श्री अनिल कुमार जी, माननीय विधायक बुढ़ाना श्री राजपाल बालियान, माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष श्री वीरपाल निर्वाल, जिला अध्यक्ष भाजपा श्री सुधीर सैनी, मीडिया प्रभारी श्री अचित मित्तल,

जिलाधिकारी श्री उमेश मिश्रा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा,अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजेश श्री गजेंद्र कुमार अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री संजय कुमार सिंह, नगर मजिस्ट्रेट श्री पंकज कुमार राठौर, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी सुनील तेवतिया, जिला प्रोबेशन अधिकारी श्री संजय कुमार, उपयुक्त उद्योग जैस्मिन, जिला क्रीड़ा अधिकारी पूनम , संहित अन्य माननीय एवं संबंधित अधिकारियों द्वारा देखा एवं सुना गया

इसके उपरांत माननीय राज्य मंत्री ऊर्जा एवं वैकल्पिक ऊर्जा विभाग उत्तर प्रदेश जनपद के प्रभारी मंत्री डॉक्टर सोमेंद्र तोमर एवं माननीय कैबिनेट मंत्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग उत्तर प्रदेश सरकार श्री अनिल कुमार ने डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर मिशन शक्ति श्रीमती वीना शर्मा को बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर माननीय विधायक श्री राजपाल सिंह, माननीय जिला अध्यक्ष पंचायत श्री वीरपाल निर्वाल, माननीय जिला अध्यक्ष भाजपा सुधीर सैनी, जिलाधिकारी श्री उमेश मिश्रा सहित अन्य माननीय व अधिकारी गण उपस्थित रहे।

स्वच्छता अभियान 5.0 के अंतर्गत आरेडिका महाप्रबंधक ने किया वृक्षारोपण

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (आरेडिका), रायबरेली में 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2025 तक चल रहे स्वच्छता अभियान 5.0 के अंतर्गत आज दिनांक 20 सितम्बर 2025 को महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ मिलकर आरेडिका आवासीय परिसर के टाइप–2 कॉलोनी में मंदिर एवं योगाशेड परिसर में साफ–सफाई एवं वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। आरेडिका के प्रधान मुख्य अभियंता सत्य प्रकाश यादव ने बताया कि परिसर में पीपल, अमलताश, गुलमोहर, सागौन, अशोक, फाइकस, करेंज सहित 1000 पौधों तथा 10,000 बीजों का रोपण किया गया। साथ ही स्वच्छता पखवाड़े के तहत सिविल विभाग द्वारा विभिन्न विभागों के सहयोग से आवासीय परिसर, कॉम्प्लेक्स, केंद्रीय विद्यालय, प्रशासनिक भवन एवं वर्कशॉप की सभी शॉपों में 2 अक्टूबर तक स्वच्छता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि इस वर्ष अब तक आरेडिका परिसर में 50,000 पौधे और 3 लाख बीज बोए जा चुके हैं। स्वच्छता के प्रति अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करने हेतु आरेडिका द्वारा नुक्कड़ नाटक, स्वच्छता सेल्फी जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का उपयोग कर व्यापक स्तर पर प्रचार–प्रसार किया जा रहा है।

लोकपाल समाज शेखर 22 को रामपुर बावली में

प्राचीन बावली का करेंगे निरीक्षण व पुनरोद्धार हेतु पंचायत व ग्रामीणों से चौपाल में करेंगे संवाद

सराय सुजान में प्रेस क्लब के महासचिव की मांग पर लोकपाल ने बीडीओ को ग्राम चौपाल लगाकर समाधान का दिया निर्देश

बिहार के छेऊंगा ग्राम से आई गंभीर शिकायत बीडीओ को दिया जांच कर आवश्यक कार्यवाही का निर्देश

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर 22 सितंबर को रामपुर बावली का भ्रमण कर निरीक्षण करेंगे। प्राचीन बावली के पुनरोद्धार हेतु ग्राम पंचायत व स्थानीय नागरिको के साथ ग्राम चौपाल में संवाद करेंगे। साथ ही ग्राम में मनरेगा व पी एम आवास संबंधित शिकायतों की सुनवाई भी करेंगे। प्रेस क्लब के महासचिव शरीफ खां की मांग पर मांधाता ब्लाक के सराय सुजान ग्राम में बीडीओ व ग्राम पंचायत को उनसे वार्ता करके ग्राम चौपाल लगाकर कर मनरेगा सहित सभी समस्याओ समाधान का निर्देश दिया है। लोकपाल समाज शेखर 22 सितंबर को रामपुर बावली ब्लाक क्षेत्र के भ्रमण पर होंगे। वह प्राचीन बाबली के भ्रमण के पश्चात ग्राम चौपाल में प्रतिभाग करेंगे। तदोपरांत वह छोईया नदी क्षेत्र का भ्रमण करेंगे। आसपास के गांवों का विकास कार्य भी देखेंगे। वहीं प्रेस क्लब प्रतापगढ़ के महासचिव मोहम्मद शरीफ खां की मांग पर उनके ग्राम सराय सुजान में खंड विकास अधिकारी को उनसे वार्ता करके ग्राम चौपाल लगाकर मनरेगा सहित सभी समस्या का समाधान का निर्देश दिया है। साथ ही तिथि चौपाल की तिथि से अवगत कराने को भी कहा है जिससे वह भी प्रतिभाग कर सके। बिहार ब्लाक के छेऊंगा ग्राम के गौरव गुप्ता द्वारा लोकपाल के समक्ष गंभीर शिकायत प्रस्तुत की गई। बीडीओ बिहार को एक सप्ताह के भीतर जांच कर आवश्यक कार्यवाही का निर्देश दिया। बिहार ब्लाक के बिहारिया ग्राम की अपेक्षित आख्या न प्राप्त होने पर बीडीओ को अविलंब कार्यवाही की आख्या प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

त्योहार विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए दीपावली एवं छठ पूजा के अवसर पर विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 02877/02878 राँची-आनन्द विहार (ट.) (साप्ताहिक) दीपावली/छठ विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 02877 राँची - आनन्द विहार (ट.)			गाड़ी संख्या - 02878 आनन्द विहार (ट.) - राँची	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	23:55 (शुक्र)	राँची	05:00 (सोम)	----
15:20 (शनि)	15:30	प्रयागराज जं.	13:20	13:25
19:25	19:30	गोविन्दपुरी	09:55	10:00
03:00 (रवि)	----	आनन्द विहार (ट.)	----	04:00 (रवि)

राँची से:- गाड़ी संख्या 02877, प्रत्येक शुक्रवार, दिनांक 17.10.2025 से 31.10.2025 तक। आनन्द विहार (ट.) से:- गाड़ी संख्या 02878, प्रत्येक रविवार, दिनांक 19.10.2025 से 02.11.2025 तक।
गाड़ी संरचना:- वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनॉमी कोच- 18

गाड़ी सं. 04094/04093 हज़रत निजामुद्दीन-पटना आरक्षित एसी सुपरफास्ट त्योहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 04094 हज़रत निजामुद्दीन - पटना			गाड़ी संख्या - 04093 पटना - हज़रत निजामुद्दीन	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	11:00	हज़रत निजामुद्दीन	00:45	----
18:05	15:10	गोविन्दपुरी	17:30	17:35
20:50	20:55	प्रयागराज जं.	14:30	14:35
05:00	----	पटना	----	07:45

हज़रत निजामुद्दीन से:- गाड़ी संख्या 04094, दिनांक 21.09.2025 से 29.11.2025 तक। पटना से:- गाड़ी संख्या 04093, दिनांक 22.09.2025 से 30.11.2025 तक। गाड़ी संरचना:- वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 12, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 04 एवं वातानुकूलित प्रथम श्रेणी- 01

गाड़ी सं. 04095/04096 आनन्द विहार (ट.)-पाटलिपुत्र आरक्षित त्योहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 04096 आनन्द विहार (ट.) - पाटलिपुत्र			गाड़ी संख्या - 04095 पाटलिपुत्र - आनन्द विहार (ट.)	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	00:05	आनन्द विहार (ट.)	21:30	----
07:15	07:20	कानपुर सेंट्रल	13:45	13:50
10:05	10:10	प्रयागराज जं.	11:05	11:15
21:30	----	पाटलिपुत्र	----	00:30

आनन्द विहार (ट.) से:- गाड़ी संख्या 04096, दिनांक 21.09.2025 से 29.11.2025 तक। पाटलिपुत्र से:- गाड़ी संख्या 04095, दिनांक 22.09.2025 से 30.11.2025 तक। गाड़ी संरचना:- सामान्य श्रेणी- 03, स्लीपर श्रेणी- 06, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 05, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनॉमी कोच- 01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 02 एवं वातानुकूलित प्रथम श्रेणी- 01

गाड़ी सं. 04458/04457 आनन्द विहार (ट.)-भागलपुर आरक्षित त्योहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 04458 आनन्द विहार (ट.) - भागलपुर			गाड़ी संख्या - 04457 भागलपुर - आनन्द विहार (ट.)	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	13:40	आनन्द विहार (ट.)	22:00	----
20:30	20:35	कानपुर सेंट्रल	14:00	14:05
23:15	23:25	प्रयागराज जं.	10:15	10:20
14:30	----	भागलपुर	----	18:00

आनन्द विहार (ट.) से:- गाड़ी संख्या 04458, दिनांक 20.09.2025 से 30.11.2025 तक। भागलपुर से:- गाड़ी संख्या 04457, दिनांक 21.09.2025 से 01.12.2025 तक। गाड़ी संरचना:- सामान्य श्रेणी- 06 एवं स्लीपर श्रेणी- 10

नोट:- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1720/25(A)

आवश्यक सूचना

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये त्योहार विशेष रेलगाड़ियों के संचालन की अवधि में विस्तार किये जाने का निर्णय लिया गया है। निम्न रेलगाड़ियां अपने पूर्व निर्धारित समय, दिन, संरचना, ठहराव एवं मार्ग पर चलेंगी, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं.	कहाँ से	कहाँ तक	आवृत्ति	पूर्व निर्धारित तिथि	विस्तार की तिथि
04813	भगत की कोठी	दानापुर	सप्ताह में बुधवार	24.09.2025	01.10.25 से 26.11.25
04814	दानापुर	भगत की कोठी	सप्ताह में गुरुवार	25.09.2025	02.10.25 से 27.11.25
09617	दौराई	समस्तीपुर जं.	सप्ताह में शुक्रवार	26.09.2025	03.10.25 से 28.11.25
09618	समस्तीपुर जं.	दौराई	सप्ताह में रविवार	28.09.2025	05.10.25 से 30.11.25

गाड़ी संरचना: (1) गाड़ी सं.: 04813 एवं 04814:- स्लीपर श्रेणी-16, सामान्य श्रेणी-04, (2) गाड़ी सं.: 09617 एवं 09618:- वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-02, स्लीपर श्रेणी-10, सामान्य श्रेणी-04,

नोट:- ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाईट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR | 1721/25(MG)

त्योहार विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

रेल प्रशासन द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये निम्नलिखित त्योहार विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी संख्या 05115/05116 छपरा जं.-उधना जं.-छपरा जं. त्योहार विशेष

05115 छपरा जं.-उधना जं.			05116 उधना जं.-छपरा जं.	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
शुक्र.	17:45	छपरा जं.	23:00	सोम.
01:45	01:50	मिर्ज़ापुर	12:28	12:30
05:20	05:25	प्रयागराज छिवकी	11:15	11:20
07:35	07:40	मानिकपुर जं.	09:18	09:20
07:00	रवि.	उधना जं.	रवि.	10:00

छपरा जं. से: गाड़ी संख्या 05115, शुक्रवार, दिनांक 26.09.2025 से 28.11.2025
उधना जं. से: गाड़ी संख्या 05116, रविवार, दिनांक 28.09.2025 से 30.11.2025
गाड़ी संरचना: सामान्य श्रेणी-06, स्लीपर श्रेणी-08, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-03, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-01

गाड़ी संख्या 05314/05313 गोमती नगर-महबूबनगर-गोमती नगर त्योहार विशेष

05314 गोमती नगर-महबूबनगर			05313 महबूबनगर-गोमती नगर	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
रवि.	00:15	गोमती नगर	15:00	दुध.
14:48	14:50	मिर्ज़ापुर	23:50	23:52
16:25	16:30	प्रयागराज छिवकी	22:30	22:35
19:58	20:00	मानिकपुर जं.	19:30	19:32
19:10	सोम.	महबूबनगर	सोम.	22:10

गोमती नगर से: गाड़ी संख्या 05314, रविवार, दिनांक 28.09.2025 से 02.11.2025
महबूबनगर से: गाड़ी संख्या 05313, सोमवार, दिनांक 29.09.2025 से 03.11.2025
गाड़ी संरचना: स्लीपर श्रेणी-07, सामान्य श्रेणी-04, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनॉमी-08

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1725/25(ADM)

सम्पादकीय.....

कला–शिल्प का विराट उत्सव भी शारदीय नवरात्र

शारदीय नवरात्रि भारत में नौ दिनों तक मनाया जाने वाला महत्वपूर्ण त्योहार है। यह केवल देवी पूजा का पर्व नहीं, बल्कि सांस्कृतिक उत्सव, लोकनृत्य, संगीत, कला और सामाजिक मेलजोल का भी उत्सव है। देश के विभिन्न हिस्सों में इसे अलग–अलग रूपों में भव्यता से मनाया जाता है। भारत विविधताओं का देश है। यहां पर हर पर्व केवल पूजा–पाठ तक सीमित नहीं रहता बल्कि वह समाज की सांस्कृतिक धड़कन बनकर हमारे लोकजीवन को गतिमान बनाये रखता है। शारदीय नवरात्रि इसका सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है। नौ दिनों का यह पर्व देश के अलग–अलग हिस्सों में अलग–अलग रूपों और परंपराओं के साथ मनाया जाता है। हालांकि, धार्मिक आस्था सभी परंपराओं के केंद्र में होती है। मगर इसकी छाया में कहीं लोकनृत्य, कहीं संगीत, कहीं खानपान और कहीं कला का ऐसा सामूहिक उत्स उमड़ता है कि शारदीय नवरात्रि विशिष्ट सांस्कृतिक मंच बन जाते हैं। ग्रामीण भारत में नवरात्रि का समय खेतों और घरों में नये उम्मीदों का मौसम लाता है। मानसून की फसलें पकने लगती हैं और किसान नये कामों की योजनाएं बनाने लगते हैं। यही कारण है कि नवरात्रि के अवसर पर गांवों में मेलों, रामलीलाओं और भजन मंडलियों का विशेष धमाल देखने को मिलता है। नवरात्रि केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं है बल्कि सामाजिक मेलजोल और सांस्कृतिक उत्सव भी हैं। इन नवरात्रि का सबसे भव्य रूप बंगाल में देखने को मिलता है, जहां इसे दुर्गा पूजा कहा जाता है। इस अवसर पर कोलकाता और बंगाल के दूसरे शहरों, कस्बों और गांव–गांव में देवी मां के पंडाल सजते हैं, जहां मां की भव्य प्रतिमाएं स्थापित होती हैं। कलाकार महीनों पहले इन प्रतिमाओं की तैयारी करते हैं। पंडालों की थीम कभी सामाजिक संदेश होती है, तो कभी किसी ऐतिहासिक स्थल की झलक पेश करती है। पूरे पांच दिन तक पूजा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य संगीत और भोज उत्सव का आयोजन चलता है। अंत में मां दुर्गा की प्रतिमा की विसर्जन यात्रा निकलती है, जिसमें ढाक की धुन, ढोल, नगाड़े और नृत्य के साथ देवी मां को विदा किया जाता है। इसी समय गुजरात में गरबा और डांडिया की धूम रहती है। यहां रात–रातभर नृत्योत्सव चलता है। गुजरात में विशेषकर नृत्य, देवी मां की उपासना का जरिया होता है। गरबा की गोल–गोल घूमती तालियां, रंग–बिरंगे परिधान, दीयों की मनमोहक लौ और शक्ति की भक्ति में डूबे भक्त, उत्सव के आनंदातिरेक में होते हैं। वास्तव में गुजरात में भक्ति और शक्ति के मिलन का उत्सव मनाया जाता है। उत्तर भारत में रामलीलाएं शारदीय नवरात्रि का सबसे बड़ा सांस्कृतिक आकर्षण हैं। नौ दिनों तक यहां गांव–गांव में, शहर–शहर में रामलीलाओं का मंचन होता है, जहां साधारण ग्रामीण जनों से लेकर मशहूर और व्यावसायिक कलाकार तक इसमें हिस्सेदारी करते हैं। मंच पर राम, लक्ष्मण, सीता और हनुमान के रूप धरे कलाकार जब डूबकर अभिनय करते हैं, तो दर्शक भक्ति रस में डूब जाते हैं। दसवीं के दिन यहां रावण दहन के साथ शारदीय नवरात्रि का उत्सव चरम पर पहुंच जाता है। यह परंपरा न केवल समाज को एक सूत्र में पिरोती है बल्कि नई पीढ़ी को नैतिक और धार्मिक शिक्षा भी देती है। शारदीय नवरात्रि के समय भारत के अलग–अलग क्षेत्रों में विशिष्ट लोकगीतों की गूंज रहती है। कहीं देवी मां के जागरण का स्वर दमकता है, तो कहीं भजन मंडलियां पूरे वेग से भजनों में रमी होती हैं। राजस्थान और हरियाणा में घर घर देवी मां के गीत गूंजते हैं। कुल मिलाकर शारदीय नवरात्रि पूरे देश में धार्मिक, आस्था और सामाजिक भागीदारी का विशिष्ट आयोजन होते हैं। चूंकि नवरात्रि उपवास का पर्व है, लेकिन शाम ढलने के बाद थोड़ा अल्पाहार ग्रहण किया जा सकता है। इसलिए इन पूरे नौ दिनों तक अलग–अलग क्षेत्रों में अलग–अलग अल्पाहार या उपवास व्यंजनों की भरमार रहती है। शारदीय नवरात्रि के उपवास स्वास्थ्यवर्धक होते हैं। इस समय पूरे भारत में अनगिनत किस्म के व्यंजनों की भरमार रहती है, जिससे यह पर्व खानपान की विविधता और संस्कृति का महापर्व भी बन जाता है। शारदीय नवरात्रि के समय कला और शिल्प का प्रभाव भी हर तरफ देखने को मिलता है। यह पर्व कलाकारों और शिल्पकारों के लिए बेहद प्रेरक होता है। दुर्गा प्रतिमाएं, पंडाल की सजावट, रंग–बिरंगे परिधान, आभूषण और लोकनृत्य की वेशभूषा, इस सबमें एक विशेष रचनात्मकता देखने को मिलती है। इसलिए भी शारदीय नवरात्रि केवल धार्मिक पर्व न होकर कला और शिल्प का विशिष्ट उत्सव बन जाती है।

राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण की काली छाया

मोहम्मद रिफाकत

निर्विवाद रूप से पर्यावरण प्रदूषण देश के सामने एक बड़ा संकट है। लाखों लोगों के जीवन पर इससे संकट के बादल मंडराते हैं। शीत ऋतु की दस्तक के साथ राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण की काली छाया के बीच अक्सर इस संकट के मूल में निकटवर्ती राज्यों में पराली जलाने की घटनाओं को जिम्मेदार बताने की कवायद हर साल होती है। इस बार भी पंजाब में धान की खरीद शुरू होने के बाद विभिन्न हितधारकों का ध्यान एक मौसमी समस्या पराली जलाने की ओर आकर्षित हुआ है। सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकार से उस कुप्रथा में लिप्त कुछ किसानों को गिरफ्तार करने के बारे में निर्णय लेने को कहा है, जिसे हर साल अक्तूबर–नवंबर में वायु प्रदूषण का एक प्रमुख कारण बताया जाता है। वैसे न्यायालय ने इस बात को स्वीकार किया है कि 'हमारे लिये किसान विशेष हैं और हम उनकी बदौलत ही भोजन प्राप्त कर रहे हैं। साथ ही अपनी खाद्य शृंखला को मजबूत कर रहे हैं।' लेकिन वहीं दूसरी ओर शीर्ष अदालत ने राज्य से पर्यावरण की सुरक्षा के बारे में कड़ा संदेश देने के लिये दंडात्मक प्रावधान लागू करने का भी आग्रह किया है।

निर्विवाद रूप से देश में पंजाब और हरियाणा, जो कि खाद्यान्न उत्पादन में अग्रणी राज्य भी हैं, पराली जलाने से रोकने के लिये विगत में कभी–कभी किसानों को जेल में भी डालते रहे हैं। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि यह कठोर कदम व्यावहारिक धरातल में एक प्रभावी निवारक साबित नहीं हो सका है। हमें इस बात की भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि पिछले कुछ वर्षों में हुई गिरफ्तारियों और भारी जुर्माने ने इस क्षेत्र के कृषक समुदाय के गुस्से को भड़काया ही है। जिसने केंद्र और राज्य सरकारों के खिलाफ आवाज उठाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। वैसे एक हकीकत यह भी है कि सत्ताधीशों के लिये किसानों पर आपराधिक मुकदम चलाना राजनीतिक दृष्टि से एक जोखिम भरा कदम माना जाता है। निस्संदेह, इन राज्यों में किसान अब एक प्रभावशाली वोट बैंक बन चुके हैं। खासकर पंजाब में किसानों की जागरूकता सत्ताधीशों पर दबाव बनाने में कामयाब हो जाती है। सर्वविदित है कि देश के सीमावर्ती राज्य पंजाब में हाल ही में आई बाढ़ के दौरान धान की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। ऐसे में किसानों के खिलाफ कोई सख्त कदम उठाना संवेदनशीलता की दृष्टि से उचित भी नहीं कहा जा सकता है। इसलिए अधिकारी किसी संभावित आक्रोश से बचने के लिये दंडात्मक कार्रवाई से बचने का प्रयास कर सकते हैं। ऐसे में वे कोई सुरक्षित रुख अपना सकते हैं। निस्संदेह, किसी ऐसी सख्त कार्रवाई से पहले ही प्राकृतिक आपदा की मार झेल रहे किसानों की स्थिति और बिगड़ सकती है। ऐसे हालात में किसानों से टकराव की बजाय सहयोग को प्राथमिकता बनाना तार्किक कहा जा सकता है। आर्थिक विकल्प, दंड से बेहतर काम करेगा। दूसरी ओर किसानों को पराली के प्रबंधन के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत है। हम उन्हें सशक्त बनाकर इस संकट का तार्किक समाधान निकाल सकते हैं। सरकार प्रयास करे कि पराली का उपयोग उद्योगों द्वारा जैव ईंधन के रूप में एक उत्पादक विकल्प के तरह किया जाए। हमारे देश के ऊर्जा उत्पादन में बायोमास के उपयोग को बढ़ावा देने से जमीनी स्तर पर बदलाव लाया जा सकता है। पराली आधारित बॉयलरों को अपनाने वाले उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिये पूंजीगत सब्सिडी सराहनीय पहल बन सकती है। सर्दियों में भीषण ठंड से बचने के लिये पर्यावरण संरक्षण के साथ–साथ किसानों की भलाई सुनिश्चित करने वाले पर्यावरण अनुकूल कदम उठाना भी जरूरी है। साथ ही पराली का निस्तारण करने वाली मशीनों की खरीद के लिये किसानों को प्रोत्साहित किया जा सकता है। मशीनों की खरीद में सब्सिडी तथा ग्राम पंचायत स्तर पर सहकारिता के आधार पर इनके उपयोग से भी सार्थक परिणाम मिल सकते हैं। इस दिशा में किसानों को जागरूक करने के लिये अभियान चलाए जाने जरूरी हैं। उन्हें बताया जाना चाहिए कि खेत में पराली जलाने से जहां खेतों की उर्वरता पर प्रतिकूल असर पड़ता है, वहीं इससे उठने वाला धुआं उनके व परिवार के लिये भी घातक है।

रेजाज एम. शीबा सिद्दीक और लव जिहाद की मनगढ़ंत साजिश

साया संगर

आज भारत में, प्यार और दोस्ती को निजी दायरे से निकालकर राजनीति के मैदान में फेंक दिया गया है। जो सिर्फ व्यक्तिगत पसंद का मामला होना चाहिए था, उसे अब कपटपूर्ण रूप दिया जा रहा है। ष्लव जिहादष का हौवा मुस्लिम पुरुषों को बदनाम करने, महिलाओं की स्वायत्तता छीनने और सांप्रदायिक उन्माद भड़काने के लिए गढ़ा गया एक मिथ्या ग्रन्थ है। श्लव जिहादश एक मिथक है जिसमें मुस्लिम पुरुषों पर हिंदू महिलाओं को प्यार के बल पर धर्मांतरण के लिए फुसलाने का आरोप लगाया जाता है। हालाँकि इसका कोई कानूनी या सांख्यिकीय आधार नहीं है, फिर भी इस लव जिहाद की साजिश ने नफरत का एक उद्योग खड़ा कर दिया है जिसे समाचार चौनलों द्वारा बढ़ावा दिया जाता है, राजनेताओं और नफरत फैलाने वालों द्वारा हथियार बनाया जाता है और निर्दोष लोगों को निशाना बनाकर सोशल मीडिया पर लगातार प्रसारित किया जाता है। हाल ही में रेजाज एम. शीबा सिद्दीक और ईशा को निशाना बनाया जाना दर्शाता है कि कैसे झूठ का इस्तेमाल उन लोगों को दबाने के लिए किया जाता है जो अपनी मर्जी से जिंदगी जीते हैं। रेजाज, एक युवा कार्यकर्ता और पत्रकार, जिन्होंने उत्पीड़ितों के बारे में निडरता से रिपोर्टिंग की, को मई में ष्ऑपरेशन सिंदूरष की आलोचना करने वाले एक पोस्ट के लिए गिरफ्तार किया गया और उन पर यूएपीए के तहत आरोप लगाए गए, जबकि ईशा, एक कानून की छात्रा और एक प्रभावशाली–कार्यकर्ता, जो फिलिस्तीन और वामपंथी विचारों पर सामग्री पोस्ट करने के लिए भी मशहूर हैं, को उनके साथ कुछ समय के लिए हिरासत में रखा गया और उनसे पूछताछ की गई। मीडिया और पुलिस ने दोनों को सिर्फ साथ होने के लिए वस्तु बना दिया। रेजाज की गिरफ्तारी के तुरंत बाद, संघ के सोशल मीडिया ने इस मौके का इस्तेमाल ष्लव जिहादष की कहानी गढ़ने के लिए किया। जब भी कोई हिंदू महिला और एक मुस्लिम पुरुष साथ दिखाई देते हैं, हिंदू राष्ट्रवादी एक ऐसी पटकथा तैयार कर लेते हैं जिसमें मुस्लिम पुरुष को शैतान बताया जाता है, और हिंदू महिला से उसकी स्वायत्तता छीन ली जाती है और उसे हमेशा पुरुष का ब्रेनवॉश किया हुआ शिकार बना दिया जाता है, तब भी जब दोनों सहमति से वयस्क हों और अपनी पसंद बनाने में पूरी तरह सक्षम हों। रिपोर्टों के अनुसार, पूरी घटना को ष्द केरल स्टोरीष फिल्म की तरह पेश किया गया था – एक ऐसी कहानी जिसने महिला को एक वस्तु बना दिया, उसे बिना वजह बदनाम किया और उसकी स्वायत्तता को अपराधी बना दिया। ऐसी प्रोपेगैंडा फिल्मों से यही नुकसान होता है। सिर्फ इसलिए कि रेजाज मुस्लिम है और ईशा हिंदू है, वे आसान निशाना बन गए और ऑनलाइन दुर्व्यवहार, डॉक्सिंग और यहाँ तक कि उनके ष्एनकाउंटरष के खुले आह्वान का शिकार हो गए। लेकिन इस सब शोर में जो बात छूट गई वह यह थी कि दोनों नास्तिक हैं, लेकिन आज के भारत में, चाहे आप नास्तिक हों या नहीं, आपको राजनीतिक एजेंडे के लिए आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है। हमने बार–बार देखा है कि अंतर–धार्मिक विवाह, रिश्ते या दोस्ती के मामलों में, अगर हिंदू महिलाएं मुस्लिम पुरुषों के साथ देखी जाती हैं, तो उन्हें इस्लाम का शिकार बताया जाता है और भारत के राष्ट्रीय मीडिया की इस तरह के हानिकारक प्रचार को बढ़ावा देने में बड़ी भूमिका होती है। यहाँ तक कि पुलिस भी इस हानिकारक कहानी को फैलाने में भूमिका निभाती है। वे शायद ही कभी महिलाओं से पूछते हैं कि वे खुद क्या चाहती हैं। ष्लव जिहादष का कोई सबूत नहीं है। यह कभी अस्तित्व में ही नहीं था। जो मौजूद है वह एक राज्य समर्थित तंत्र है जो प्रेम पर नियंत्रण रखता है, इस्लामोफोबिक षड्यंत्र रचता है और धर्म व जाति के दायरे से बाहर रहने की हिम्मत करने वालों को दंडित करता है। लव जिहाद और नैतिक पुलिसिंग के संदर्भ में, राज्य तंत्र महिलाओं को नियंत्रित करने और पितृसत्तात्मक सत्ता को मजबूत करने का काम करता है। रेजाज और ईशा के मामले में, दोनों को इस तरह से वस्तु बनाया गया कि उनसे उनका व्यक्तित्व ही छीन लिया गया। एक नास्तिक महिला को ष्हिंदू महिलाष की भूमिका में धकेल दिया गया, एक ऐसी महिला जिसे इतना नाजुक और मूर्ख समझा गया कि वह अपने मन की बात नहीं समझ सकती और एक नास्तिक पुरुष को एक ऐसे मुस्लिम पुरुष की भूमिका में धकेल दिया गया जिसे एक शाश्वत शिकारी माना जा रहा है। यह ष्पीड़ितष ढाँचा न केवल पारंपरिक लैंगिक भूमिकाओं को लागू करता है, बल्कि इस खतरनाक धारणा को भी मजबूत करता है कि महिलाओं की स्वायत्तता सांप्रदायिकता के लिए खघ्तरा है और इस पर नजर रखी जानी चाहिए, इसे प्रतिबंधित किया जाना चाहिए और इसे विनियमित किया जाना चाहिए।

नाजीवाद के तहत, महिलाओं का जीवन किंडर, कुचे, किर्चे– बच्चों, रसोई, चर्च– तक सीमित था। फासीवाद को हमेशा महिलाओं की जरूरत होती है, लेकिन केवल उन्हीं की जो उनकी शर्तों का पालन करेंरू शुद्ध आज्ञाकारी पत्नियाँ और वफादार माँएँ। हिंदुत्व भी इसी नीति का पालन करता है। यह महिलाओं को हिंदुत्व के नारे लगाने के लिए आमंत्रित करता है, लेकिन केवल तब तक जब तक वे उनकी नीति का पालन करें। अगर आपकी अपनी सोच है और आप जाति या धर्म की सीमा पार करके प्यार करते हैं, धर्म को अस्वीकार करते हैं, अपनी स्वायत्तता का दावा करते हैं, तो आपको सजा मिलेगी। यह हमें नाजी जर्मनी की याद दिलाता है, जहाँ यहूदी पुरुषों को जर्मन महिलाओं और आर्य जाति की ष्पवित्रताष के लिए खघ्तरा बताकर शैतानी की जाती थी। इसी तरह, हिंदुत्व का प्रचार मुस्लिम पुरुषों को शिकारी और हिंदू महिलाओं को संकटग्रस्त बताता है, और निगरानी, उत्पीड़न और नैतिक आतंक को सही ठहराने के लिए सांप्रदायिक नियंत्रण और पितृसत्तात्मक पुलिसिंग के उसी तर्क का इस्तेमाल करता है। लव जिहाद हिंदुओं में पीड़ित मानसिकता का निर्माण करके उनमें किसी ऐसी चीज का डर पैदा करता है जो वास्तव में है ही नहीं – लगातार यह ढोल पीटना कि हिंदू खतरे में है। वे जानते हैं कि अगर वे हिंदू महिलाओं को पीड़ित और मुस्लिम पुरुषों को शिकारी के रूप में चित्रित करेंगे, तो वे आसानी से यह कहानी फैला सकते हैं कि हिंदू महिलाओं को चुराया जा रहा है और हिंदू संस्कृति को कमजोर किया जा रहा है। जब भी कोई हिंदू महिला किसी मुस्लिम पुरुष के साथ देखी जाएगी, तो उसे एक बड़ी साजिश के सबूत के रूप में हथियार बनाया जाएगा–एक ऐसी साजिश जिसमें इस्लाम भारत में हिंदू धर्म को नष्ट कर रहा है। यह कहानी न केवल मुसलमानों को शिकारी के रूप में चित्रित करके इस्लामोफोबिया को भड़काती है, बल्कि हिंदू महिलाओं को स्वायत्त व्यक्तियों के बजाय समुदाय की वस्तु मानकर और इस झूठ को दोहराकर कि हिंदुत्व तंत्र हिंदू कल्पना में एक स्थायी संकट पैदा करता है, पितृसत्ता को भी गहरा करती है। यदि लव जिहाद एक मिथक है, तो सोशल मीडिया वह कारखाना है जहाँ इसका बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जाता है और इसे रोजमर्रा की जिंदगी में निर्यात किया जाता है। भाजपा के ऑनलाइन समर्थक इस मिथक को हथियार की तरह इस्तेमाल करते हैं। जो कोई भी असहमति जताने की हिम्मत करता है, उसे पहले ही राष्ट्र–विरोधी करार दे दिया जाता है, इसलिए वे आसान निशाना बन जाते हैं। रेजाज के मामले में, सिर्फ उनकी मुस्लिम पहचान ही उन्हें कमजोर नहीं बनाती थी, बल्कि उनकी वामपंथी राजनीति और अल्पसंख्यकों के बारे में बोलने की उनकी जिद ने भी उन्हें बड़ा निशाना बनाया। इसके लिए, गिरफ्तारी से बहुत पहले ही उनका पीछा किया गया, उन्हें परेशान किया गया और धमकाया गया।

राहुल गांधी की दूसरी प्रेस कांफ्रेस, कुछ नए सवाल

अरुण कुमार श्रीवास्तव

कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को एक प्रेस कांफ्रेस में फिर से वोट चोरी और चुनावी धांधली के नए सबूत पेश किए हैं। बुधवार शाम को जब सूचना आई कि श्री गांधी 18 सितंबर की सुबह प्रेस कांफ्रेस करने वाले हैं, तो कयास लगने की लगे कि 1 सितंबर को जिस हाईड्रोजन बम का डर उन्होंने भाजपा को दिखाया था, वो फूटने वाला है। लेकिन प्रेस कांफ्रेंस शुरु होते ही राहुल गांधी ने स्पष्ट कर दिया कि यह हाइड्रोजन बम नहीं है, हाइड्रोजन बम आने वाला है। यह इस देश के युवाओं को यह दिखाने और स्थापित करने में एक और मील का पत्थर है कि चुनावों में किस तरह धांधली की जा रही है। गौर करने की बात है कि राहुल गांधी ने इस बार प्रेस कांफ्रेस में युवाओं को संबोधित किया है, क्योंकि इस देश का लोकतंत्र अब युवाओं को ही संभालना है। इसलिए उन्हें न केवल चुनावी प्रक्रिया की जानकारी होनी चाहिए, बल्कि ये भी पता होना चाहिए कि इसमें किस किस्म की गड़बड़ी की जा सकती है। अभी यह कहना मुश्किल है कि कितने युवाओं ने इस प्रेस कांफ्रेस को देखा और राहुल गांधी की बात को समझा है। लेकिन देश का युवा राहुल गांधी के दिखाए सबूतों के आधार पर अगर मोदी सरकार से और चुनाव आयोग से सवाल करने लग जाए तो फिर ऐसी धांधलियों पर काफी हद तक रोक लग जाएगी। गुरुवार की प्रेस कांफ्रेस में राहुल गांधी ने एक बार फिर मुख्य चुनाव आयुक्त को भी कड़ी चेतावनी दी है कि आप को पद संभालते वक्त ली जाने वाली शपथ याद रखनी चाहिए। राहुल गांधी ने दावा किया कि उनकी पार्टी के समर्थक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने के प्रयास हुए और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार लोकतंत्र की हत्या करने वालों तथा वोट चोरों की रक्षा कर रहे हैं। वोट चोरी का काम मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार में संरक्षण हो रहा है। बता दें कि 7 अगस्त की प्रेस कांफ्रेस में राहुल गांधी ने कर्नाटक की महादेवपुरा सीट पर कई नाम जोड़े जाने के सबूत पेश किए थे। लेकिन गुरुवार की प्रेस कांफ्रेस में राहुल गांधी ने बताया है कि कैसे मतदाता सूची से नाम काटे गए हैं और इसके लिए अलग–अलग राज्यों से फोन नंबर का इस्तेमाल हुआ है। राहुल गांधी प्रेस कांफ्रेस में ऐसे लोगों को लेकर भी आए जिनके नाम से वोट काटे गए। इन्हीं में से एक शख्स ने बताया कि उनके नाम से 12 वोट काटे गए, जबकि उन्होंने कभी ऐसा किया ही नहीं। दो शख्स और आए, जिनमें एक का नाम सूची से काटा गया था और दूसरे ने नाम काटने की अर्जी दी थी। लेकिन असल में दोनों ही इस बात से अनजान थे कि उनके नाम पर ऐसा कुछ हुआ है। एक दिलचस्प उदाहरण भी राहुल गांधी ने दिया कि एक शख्स ने सुबह चार बजे उठकर दो अर्जियां दाखिल कीं और दोनों ही महज 36 सेकंड में दाखिल की गईं। यानी आधे मिनट में दो–दो आवेदन दिए गए वो भी सुबह 4 बजे, जिस पर एकबारगी यकीन नहीं किया जा सकता। लेकिन ऐसा हुआ है और इस सबके पीछे बड़े पैमाने पर तैयारी की गई है। राहुल गांधी के मुताबिक योजना बनाकर सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर वोटर लिस्ट से नाम काटा जा रहा है। जिस बूथ पर कांग्रेस वोटर ज्यादा हैं, वहीं वोट काटा जा रहा है। कर्नाटक की ही आलंद विधानसभा का प्रमाण देते हुए चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। राहुल गांधी ने कहा कि आलंद में किसी ने 6,018 वोट हटाने की कोशिश की। हमें यह नहीं पता कि 2023 के चुनाव में कुल कितने वोट हटाए गए हैं, लेकिन इतना तय है कि यह संख्या 6,018 से कहीं ज्यादा थी। राहुल ने बताया कि यह मामला तब सामने आया जब गलती से एक वोट डिलीट करने के दौरान गड़बड़ी पकड़ में आ गई। दरअसल, एक बूथ–लेवल अधिकारी ने देखा कि उसके चाचा का नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया गया है। जब उसने जांच की कि यह वोट किसने डिलीट किया, तो पता चला कि उसका ही पड़ोसी जिम्मेदार दिखाया गया है। लेकिन जब उसने अपने पड़ोसी से बात की, तो उसने साफ कहा कि उसने ऐसा कुछ नहीं किया। यानी जिसने वोट हटाया और जिसका वोट हटा– दोनों ही इस बात से अनजान थे। राहुल गांधी ने कहा कि इस मामले में जांच चल रही है। सीआईडी ने 18 महीने में 18 पत्र चुनाव आयोग को भेजे हैं और पूछा कि हमें डेस्टिनेशन आईपी दीजिए, डिवाईस डेस्टिनेशन के बारे में जानकारी दीजिए, इसके अलावा ओटीपी ट्रेल को भी देने के लिए कहा। कर्नाटक की सीआईडी ने कई बार इसकी मांग चुनाव आयोग से की। लेकिन उस पर चुनाव आयोग ने जवाब नहीं दिया।

लेकिन गुरुवार की प्रेस कांफ्रेस के कुछ देर बाद ही चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के दावों के स्क्रीन शॉट पर गलत का ठप्पा लगा दिया और कहा कि आरोप गलत और निराधार हैं। आयोग ने अपने बचाव में कहा कि किसी भी वोट को ऑनलाइन किसी के भी द्वारा नहीं हटाया जा सकता, जैसा कि राहुल गांधी ने गलत धारणा बनाई है। प्रभावित व्यक्ति को सुनवाई का अवसर दिए बिना कोई भी वोट नहीं हटाया जा सकता। लेकिन आयोग के इन दावों की व्यावहारिक हकीकत देश जानता है। कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जब किसी को जानकारी दिए बिना, या उसकी सुनवाई के बिना ही वोटर लिस्ट से नाम काटा गया है। बहरहाल चुनाव आयोग ने ये भी कहा कि 2023 में अलंद विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं के नाम हटाने के कुछ असफल प्रयास किए गए थे और मामले की जाँच के लिए चुनाव आयोग के प्राधिकारी द्वारा स्वयं एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। लेकिन चुनाव आयोग ने अब भी ये नहीं बताया कि सीआईडी कर्नाटक ने 18 अलग–अलग मौकों पर जो जानकारी मांगी, वो क्यों नहीं दी गई। इसी तरह प्रेस कांफ्रेस में कुछ खास लोगों ने यह दावा कैसे किया कि उनके नाम का दुरुपयोग करके नाम हटाए गए, और उन्हें पता ही नहीं चला। क्या चुनाव आयोग यह मानता है कि राहुल गांधी के साथ–साथ उन लोगों ने भी गलत जानकारी दी। अगर ऐसा है तो क्या कोई कार्रवाई की जाएगी। और सबसे आखिरी सवाल जब बार–बार चुनाव आयोग पर उंगली उठ रही है, तो क्या यह बेहतर नहीं होगा कि ज्ञानेश कुमार इस मामले की निष्पक्ष जांच के लिए खुद आगे आएं। बार–बार भाजपा उनके बचाव में क्यों खड़ी हो रही है।

वाणी कपूर

मेरा फिल्मी कपूर परिवार से कोई लेना–देना नहीं, मैं दिल्ली से हिचकिचाते हुए अकेली मुंबई आई थी

वाणी कपूर ने चंडीगढ़ करे आशिकी' में ट्रांसवुमन का किरदार हो या 'शुद्ध देसी रोमांस' की आजाद लड़की जैसे की अलग किरदार निभा चुकी हैं। इस बार उन्होंने ओटीटी डेब्यू में एक यंग लेकिन मजबूत इमोशनल ग्राउंड वाली पुलिस अफसर रिया थॉमस का रोल किया है। नवभारत टाइम्स से बातचीत में उन्होंने फिल्मी करियर को लेकर खूब सारी बातें कीं। वाणी कपूर ने करियर की शुरुआत से अब तक हमेशा अपने किरदारों में विविधता और चुनौती को प्राथमिकता दी है। 'चंडीगढ़ करे आशिकी' में ट्रांसवुमन का किरदार हो या 'शुद्ध देसी रोमांस' की आजाद लड़की, वाणी ने कभी आसान राह नहीं चुनी। इस बार उन्होंने ओटीटी डेब्यू में एक यंग लेकिन मजबूत इमोशनल ग्राउंड वाली पुलिस अफसर रिया थॉमस का किरदार निभाया है। इस बातचीत में वाणी बताती हैं कि कैसे कैमरे के सामने वो फीलिंग्स भी असली हो गईं, जो सिर्फ स्क्रिप्ट में लिखी थीं। कैसे 'कपूर' सरनेम के साथ नेपोटिज्म के आरोपों से लड़ते हुए उन्होंने खुद को साबित किया और क्यों उन्होंने कभी पैसा या फेम नहीं बल्कि सिर्फ सही काम को चुना। यह बातचीत वाणी के भीतर के यकीन, असुरक्षाओं और धैर्य का आइना है। रिपिटेशन से बचना चाहती थी वाणी कपूर ने कहा, इससे पहले कभी किसी वेब सीरीज में काम नहीं किया था। यह ऑफर जब आया तो मन में पहली बात यही आई कि अब ओटीटी पर आ रही हूं तो कुछ बिल्कुल अलग और नया करना चाहिए। हर बार खुद से यही उम्मीद करती हूं कि कुछ नया लेकर आ सकूं, अपने लिए और दर्शकों के लिए भी। रिपिटेशन से बचना चाहती हूं। मेरी हर फिल्म में कुछ नया करने की कोशिश रही है। फिर चाहे श्रेड 2श में हाउसवाइफ का किरदार हो, श्चंडीगढ़ करे आशिकीश में एक ट्रांसवुमन का या श्शुद्ध देसी रोमांसश में जयपुर की एक आजाद ख्याल लड़की का। सलमान खान से भद पिटवाने के बाद भी नहीं सुधरे अशनीर ग्रोवर, भाईजान पर फिर साधा निशाना, श्बिग बॉस 19श को भी कोसा श्गलती से प्रेगनेंट हुईश, कुब्रा सैत को कराना पड़ा था गर्भपात, बोलीं– वो आदमी पीछे हट गया, अब नहीं चाहिए बच्चे श्मां जैसी आवाज, पापा की शक्लश, काजोल और अजय देवगन की बेटी की बातें सुन लोगों ने लिए मजे, नीसा को कह रहे श्कमालश श्एक चतुर नारश रिव्यूरू नागिन सी फुंफकारती हैं दिव्या खोसला, नेवले की तरह शातिर लगे नील नितिन मुकेश लगा ऐक्टिंग नहीं, उसे महसूस कर रही हूं गोपी सर एक शानदार निर्देशक हैं। उन्होंने जब मुझे बताया कि यह एक फिक्शनल वर्ल्ड है लेकिन इसके किरदार और उनके इमोशंस बेहद रियल लगेंगे तो मैं काफी एक्साइटेड हो गई। ये एक पेंचीदा कहानी है, जिसमें मर्डर होते हैं और हर मर्डर के बाद एक खास निशान छोड़ा जाता है। रिया थॉमस का किरदार मुझे खास इसलिए भी लगा क्योंकि हमने अब तक जितनी महिला पुलिस अफसरों को देखा है, उससे यह काफी अलग है। यह एक यंग ऑफिसर है, ब्राइट है, शार्प है लेकिन अपनी निजी जिंदगी की उलझनों से भी जूझ रही है। अपने काम और खुद के बीच संतुलन बनाना इसके लिए आसान नहीं है। सीरीज में कुछ ऐसे सीन थे, जहां इमोशनल इनसिक्योरिटी का भाव उभरता है। मैं जब वो सीन कर रही थी तो महसूस हुआ कि वो सारी भावनाएं मेरे अंदर सचमुच जिंदा हो उठी हैं। मुझे यह खूबसूरत इसीलिए लगा क्योंकि वो सीन सिर्फ टेक्निकली नहीं बल्कि इमोशनली भी संतुलित थे। ऐसा लगा कि मैं एक्टिंग नहीं कर रही बल्कि सचमुच महसूस कर रही हूं। मैं अपनी अच्छाई खोना नहीं चाहती जानती हूं कि मैं असल जिंदगी में कभी कॉप नहीं बन सकती। मैं बहुत ही सॉफ्ट नेचर की हूं। अगर कोई केस आए तो मैं सबको इनोसेंट साबित कर दूंगी कि ये भी सही, वो भी सही! और यही मासूमियत कई बार मुझे नुकसान भी पहुंचा चुकी है। किसी की जब सोच मुझसे मेल नहीं खाती तो मैं समझ जाती हूं लेकिन फिर भी बुरा लगता है कि उसने ऐसा क्यों किया। हां, ये जरूर है कि इन अनुभवों की वजह से मैं अपनी अच्छाई खोना नहीं चाहती। मैं जैसी हूं, वैसे ही खुद को बहुत पसंद करती हूं। मैं अगर खुद को बदल दूंगी तो फिर कहां रहूंगी ? हम सबकी पूरी जिंदगी इसी सवाल का जवाब ढूंढते हुए निकल जाती है कि मैं कौन हूं। कपूर हूं लेकिन नेपो प्रोडक्ट नहीं लोग सोचते हैं कि मैंने श्शुद्ध देसी रोमांसश के लिए ऑडिशन दिया और आसानी से फिल्म मिल गई। ऊपर से मेरा सरनेम श्कपूरश है तो लोग सोचते हैं मैं नेपोटिज्म प्रोडक्ट हूं। मेरा फिल्मी कपूर परिवार से कोई लेना–देना नहीं। मैं दिल्ली से बहुत सकुचा–सकुचा के अकेले मुंबई आई थी। किसी ने गारंटी दी नहीं थी कि मुझे काम मिलेगा। मेरे साथ मेरी एक दोस्त आई थी क्योंकि मैं शहर में अकेले रहने से डरती थी। फैमिली बहुत ओवरप्रोटेक्टिव थी। उस वक्त तो दिल्ली लड़कियों के लिए बहुत अनसेफ लगती थी। मेरी दिल्ली में ही अकेले रहने की हिम्मत नहीं थी। खैर, जब मुंबई आई तो थोड़ा आसान लगा। मुंबई में जब कास्टिंग डायरेक्टर शानू शर्मा ने कहा था, 'दिन हो या रात, कभी कोई दिक्कत आ जाए तो बेझिझक फोन कर लेना', ये सुनकर मुझे और मेरी फैमिली दोनों को बड़ी राहत मिली। हमें हमेशा डराया जाता है कि इंडस्ट्री में सब बुरे लोग होते हैं लेकिन ऐसा नहीं है। अच्छी फिल्में, अच्छे बैनर और अच्छे लोग भी होते हैं। थककर दो–तीन दिन बस सोती ही रही थी शुरुआत में मैंने बहुत ऑडिशन दिए। कइयों बार जवाब भी नहीं मिलता था कि सिलेक्ट हुई हूं या नहीं। एक–दो बार ऐसा लगा कि यहां क्या कर रही हूं। एक वक्त तो मैंने अपनी टाइम लिमिट बांध ली थी कि अगर इन महीनों में कुछ समझ में नहीं आया तो मैं वापस जाकर कुछ और करूंगी।

लाल किले पर होने वाली रामलीला में मंदोदरी बनेंगी पूनम पांडे, राज बब्बर का बेटा बना रावण

दिल्ली के लाल किला ग्राउंड में होने वाली लव कुश रामलीला की तैयारी जोर–शोर से चल रही है। यह शुरू 22 सितंबर को होगी, जो 3 अक्टूबर 2025 तक चलेगी। इस रामलीला में 45 के करीब एक्टर्स हिस्सा लेने वाले हैं। कहा जा रहा है कि मनोज तिवारी भगवान परशुराम का किरदार निभाएंगे। वहीं एक्ट्रेस पूनम पांडे रावण की पत्नी मंदोदरी बनने वाली हैं जबकि रावण का किरदार आर्य बब्बर निभाते नजर आएंगे। रामलीला के लिए पूनम पांडे का नाम सामने आया तो वो चर्चा में आ गई हैं। ऐसे में एक्ट्रेस ने इसे लेकर चुप्पी तोड़ी। उन्होंने कहा–इस ऐतिहासिक और भव्य उत्सव का हिस्सा बनने का मौका मिला है. जो उनके लिए बहुत खुशी और गर्व की बात है। रामलीला सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि हमारी संस्कृति और परंपराओं का भी उत्सव है। इससे जुड़कर खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हैं।रामलीला में हिस्सा लेने का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। गौरतलब है कि पूनम पांडे की निजी जिंदगी सुर्खियों में रही हैएक्ट्रेस के करियर की शुरुआत बतौर मॉडल हुई थी. ग्लैडरैग्स मैनहंट और मेगा मॉडल कॉन्टेस्ट 2010 के बाद वो सबकी नजरों में आई।वो टॉप 9 कंटेस्टेंट में रही थीं। फिर 29 कैलेंडर्स के लिए फोटोशूट किया। वह फिल्मों का हिस्सा भी रहीं जिसमें नशा, लव इज पॉइजन, मालिनी एंड कंपनी, द वीकेंड समेत कई नाम शामिल हैं हालांकि, अपनी मौत की झूठी खबर फैलाने के बाद वो जमकर ट्रोल हुईं।

आर्यन खान की डेब्यू सीरीज के प्रीमियर में बहन ने लगाए चार-चांद, ढाई लाख से भी महंगी ड्रेस पहन बटोरी सुर्खियां

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान ने आखिरकार इंडस्ट्री में एंट्री कर ली है। डायरेक्टर के रूप में आर्यन की पहली वेब सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' आज ओटीटी पर रिलीज हो रही है। रिलीज से पहले 17 सितंबर को इसका भव्य प्रीमियर आयोजित किया गया, जिसमें फिल्म इंडस्ट्री की दिग्गज हस्तियां शामिल हुईं। वहीं, इस मौके पर खान परिवार का उत्साह देखने ही लायक था। इवेंट में शाहरुख खान अपनी पत्नी गौरी खान, बेटी सुहाना खान और छोटे बेटे अबराम के साथ पहुंचे। वहीं, आर्यन की बहन ने इस मौके पर जो ड्रेस पहनी, उनके अलग ही चर्चे हो रहे हैं। शाहरुख खान की लाडली बेटी सुहाना खान ने प्रीमियर नाइट को अपने स्टाइल से और भी खास बना दिया। उन्होंने इस मौके पर मस्टर्ड येलो कलर की फ्लोर–लेंथ गाउन पहना, जिसमें थाई–हाई स्लिट उनकी ड्रेस को बोल्ड और एलीगेंट टच दे रहा था। सुहाना के इस लुक ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया। उनकी तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हो गए, जिन्हें देखकर फैन्स लगातार तारीफ कर रहे हैं।रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनकी इस खूबसूरत ड्रेस की कीमत करीब 2.95 लाख रुपये बताई जा रही है। प्रीमियर नाइट पूरी तरह से ग्लैमरस और शानदार रही। बॉलीवुड के कई बड़े सितारे इस खास मौके पर पहुंचे और आर्यन खान को बतौर डायरेक्टर नए सफर की शुभकामनाएं दीं। बता दें द बैड्स ऑफ बॉलीवुड आर्यन खान के निर्देशन की पहली फिल्म हैं। ऐसे में शाहरुख और गौरी भी अपने बेटे के लिए काफी खुश नजर आ रहे हैं और इस सीरीज के प्रमोशन का कोई मौका नहीं छोड़ रहे।

शर्मिला टैगोर ने शादी से पहले बदला था धर्म

एक्ट्रेस सोहा अली खान ने हाल ही में अपनी मां और एक्ट्रेस शर्मिला टैगोर के बारे में बताया कि उनकी मां ने हमेशा अपनी शर्तों पर जिंदगी जी है। सोहा ने यह भी बताया कि शर्मिला टैगोर ने मंसूर अली खान पटौदी से शादी करने से पहले इस्लाम धर्म स्वीकार किया था। हॉटरफ्लाई के साथ बातचीत में सोहा ने बताया कि उनके माता–पिता, शर्मिला और टाइगर पटौदी की शादी में कोई बड़ी मुश्किल नहीं आई थी। सोहा ने कहा, ष्जब उन्होंने (शर्मिला टैगोर) मेरे पिता से शादी की थी, तब उन्होंने अपना धर्म बदला था। उनका नाम आयशा है। यह थोड़ा कंफ्यूजिंग हो सकता है क्योंकि कभी वह आयशा साइन करती थीं, कभी श्शर्मिलाश। ये सब अलग–अलग पहचानें हैं, लेकिन क्योंकि पूरे प्रोफेशनल करियर में वह शर्मिला टैगोर रही हैं, इसलिए लोग उन्हें उसी नाम से जानते हैं, लेकिन वह आयशा भी हैं। बता दें कि सिमी गरेवाल के शो में मंसूर अली खान ने भी बताया था कि शर्मिला टैगोर का नाम आयशा रखने का सुझाव उन्होंने दिया था। वहीं, शर्मिला टैगोर ने कहा था, "यह आसान नहीं था, लेकिन बहुत मुश्किल भी नहीं। इसे समझकर अपनाना पड़ा। पहले मैं बहुत धार्मिक नहीं थीं। अब मुझे हिंदू धर्म और इस्लाम के बारे में ज्यादा जानकारी है।"

बॉलीवुड की ये हसीना कोई और नहीं बल्कि ट्यूलिप जोशी थीं. स्क्रीन पर ट्यूलिप की मासूमियत, प्यारी सी स्माइल और गहरी आंखों को देख क्रिटिक्स ने भी कहा था कि ये इंडस्ट्री में लंबा टिकेगी. ट्यूलिप के पिता गुजराती हिंदू थे और उनकी मां अर्मेनियाई–लेबनानी ईसाई थीं. इसी वजह से वो मिश्रित संस्कृति में पली बढ़ीं. एक्ट्रेस ने मुंबई के जमनाबाई नरसी स्कूल से अपनी पढ़ाई की. उसके बाद उन्होंने फूट साइंस और केमिस्ट्री में ग्रेजुएशन किया. शुरू से ही उन्हें मॉडलिंग में दिलचस्पी थी. कॉलेज के दौरान ही उन्होंने कुछ ऐड फिल्मों में काम किया. एक शादी ने पलटी किस्मत 2000 में एक्ट्रेस ने फेमिना मिस इंडिया में हिस्सा लिया. हालांकि, वो फाइनल तक नहीं पहुंच पाईं. उनकी किस्मत तब पलटी जब वो एक शादी में पहुंचीं. ये किसी और की नहीं बल्कि आदित्य चोपड़ा की पहली शादी थी. जी हां, रानी मुखर्जी से पहले आदित्य ने पायल खन्ना संग शादी की थी. डेब्यू फिल्म से बनी स्टार ट्यूलिप की करीबी दोस्त थीं पायल. इसी दौरान आदित्य को ट्यूलिप पसंद आ गईं. बाद में उन्हें मेरे यार की शादी है के ऑडिशन के लिए बुलाया गया. ट्यूलिप ने ऑडिशन दिया और सिलेक्ट हो गईं. 2002 में रिलीज हुई इस फिल्म से एक्ट्रेस रातों–रात स्टार बन बैठीं. इंडस्ट्री छोड़ बनी एस्ट्रोलॉजर इस फिल्म के बाद उन्हें दिल मांगे मोर, धोखा, मातृभूमि, सुपरस्टार, बच्चन, जय हो जैसी फिल्मों में देखा गया. प्रोफेशनल लाइफ के अलावा एक्ट्रेस की पर्सनल लाइफ भी चर्चा में रही. ट्यूलिप ने कैप्टन विनोद नायर संग चार साल लिव इन रिलेशनशिप में रहने के बाद शादी कर ली. शादी के बाद वो इंडस्ट्री से दूर हो गईं और पति के बिजनेस से जुड़ गईं. विनोद नायर की कंपनी किंमया में ट्यूलिप बतौर डायरेक्टर काम करती हैं. इसके अलावा वो अब एस्ट्रोलॉजर भी बन चुकी है.

इस वजह से बच्चों को होती है पेशाब आने में दिक्कत, पैरेन्टस अजमाएं ये नुस्खा

बच्चों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए उन्हें खास देखभाल की जरुरत होती है क्योंकि उन्हें कुछ न कुछ समस्याएं होने लगती है। कभी बच्चों को ज्यादा पेशाब आने लगता है तो कभी उन्हें पेशाब आने में दिक्कत होती है। छोटे होने के कारण बच्चे परेशानी बता भी नहीं पाते लेकिन उनके शरीर में ऐसे कई संकेत दिखते हैं जिससे आप परेशानी को समझ सकते हैं। जैसे बच्चे ज्यादा पेशाब आने के कारण परेशान होते हैं वैसे ही वह कम पेशाब आने के कारण भी परेशान हो सकते हैं। तो चलिए आपको बताते हैं कि बच्चों को पेशाब न आने के कारण क्या है और आप उनकी यह समस्या कैसे दूर कर सकते हैं.....

क्यों नहीं आता बच्चों को पेशाब?

पानी की कमी के कारण

बच्चे के शरीर में पानी की कमी के कारण भी उन्हें पेशाब आने में परेशानी हो सकती है। बच्चों को उल्टी, दस्त या किसी अन्य रोग में पानी की कमी होने पर भी यह समस्या उन्हें हो सकती है।

यूरिनेरी ट्रैक्ट में परेशानी होने के कारण

बच्चे के मूत्र मार्ग में रुकावट तब होती है जब उसकी किडनी से पेशाब बाहर नहीं आता। यह समस्या बच्चे की एक या फिर दोनों किडनियों को प्रभावित कर सकती है। इस समस्या में बच्चे को पेशाब न आने या फिर पेशाब बाहर आने में भी समस्या हो सकती है।

दवाई लेने के कारण

कई मालमों में यदि बच्चे पहले से ही दवाई ले रहे हो तो उसके प्रभावों के कारण भी बच्चों को पेशाब आने में परेशानी हो सकती है। हाई ब्लड प्रेशर की दवाई, ड्यूरेटिक्स और एंटीइंफ्लेमेट्री दवाई के कारण उन्हें यह परेशानी हो सकती हैं।

हींग करें इस्तेमाल

बच्चों को पेशाब न आने पर आप कुछ घरेलू नुस्खे भी अपना सकते हैं। बच्चा दो साल से ज्यादा है और उसको ये परेशानी हो रही है तो इस स्थिति में आप उसकी नाभी पर भिगी हुई हींग को रुई की मदद के कुछ देर के लिए रख दें। ध्यान दें कि हींग का ज्यादा इस्तेमाल न करें क्योंकि इससे भी कई तरह के नुकसान होते हैं थोड़ी सी हींग को रुई में लगाएं। इस उपाय को करने से उन्हें यदि आराम मिलेगा। यदि फिर भी बच्चे की समस्या दूर न हो तो एक बार डॉक्टर को जरुर दिखाएं।

ब्रेकअप के बाद जिंदगी में छा गई है उदासी ? बुरे दौर में खुद को ऐसे दें सहारा

रिश्ता टूटने का दौर बुरा होता है। इस दौरान उदास, दुखी और खुद को खोया हुआ महसूस करना स्वाभाविक है। रिश्ता चाहे अच्छे मोड़ पर खत्म हुआ हो या फिर बुरे पर पल भर में इससे उबरना मुश्किल होता है। रिश्ते में रहने के दौरान आपका पार्टनर आपके डेली रूटीन का हिस्सा बन जाता है। ब्रेकअप के बाद इस रूटीन को बदलने में समय लगता है। इस दौरान आप पार्टनर की कमी महसूस करते हैं और ये खालीपन आपको उदास कर देता है। रिश्ते के टूट जाने को स्वीकार करना जरुरी है तभी आप आगे बढ़ सकते हैं। थेरेपिस्ट जॉर्डन ग्रीन कहते हैं कि ब्रेकअप सिर्फ एक अंत नहीं है, वे एक नई शुरुआत हैं। वे आपको उस सारे प्यार और ऊर्जा को पुनर्निर्देशित करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करते हैं जो आप दूसरे व्यक्ति में डाल रहे थे, सभी के सबसे महत्वपूर्ण रिश्ते में वापस, वह रिश्ता जो आपके साथ है। अगर आपके लिए भी ब्रेकअप से उबरना मुश्किल हो रहा है तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। आज हम कुछ ऐसी टिप्स लेकर आए हैं, जो इस बुरे दौर में खुद को सहारा देने के आपके काम आएगी।

दुख को बाहर निकलने दें– ब्रेकअप के बाद खुद को संभालना मुश्किल होता है। इस दौरान एक साथ कई तरह की भावनाएं आप पर हावी हो जाती है। इन भावनाओं को बाहर निकलने दें। रोने का मन कर रहा है तो खुद को रोकने की कोशिश न करें। खुद को हर तरह के दुख और दर्द को महसूस करने दें ताकि बाद में ये आपको कमजोर न कर सकें।

परिवार/दोस्तों की मदद लें– ब्रेकअप के बाद खुद को अकेले नहीं संभाल पा रहे हैं तो अपने करीबी लोगों की मदद लेने से पीछे न हटें। परिवार या दोस्त जिससे भी बात कर के आपके दिल को शांति मिलती है, उन सभी से बात करें। दोस्तों और परिवार वालों से बात करना आपके लिए एक थेरेपी की तरह काम करेगा और आपको ब्रेकअप के बुरे दौर से निकलने में आसानी होगी।

खुद पर ध्यान दें– ब्रेकअप के बाद आपका सारा समय आपका है। इसलिए इस समय को सिर्फ और सिर्फ खुद पर खर्च करें। आपको जो चीजें पसंद है वो करने पर ध्यान दें। बाहर जाएं, मूवी देखें, पार्क में घूमें, जो आपके दिल को खुशी दे वो काम करें। ये सब चीजें ब्रेकअप के दुख को कम करेंगी और आपको आगे बढ़ने का हौसला देगी।

बार-बार खट्टी डकार आने के कारण हो गए हैं परेशान तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

बढ़ता तनाव और खराब लाइफस्टाइल कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन रहा है। ओवरइटिंग, ज्यादा मसालेदार खाना खाने, समय पर न खाने और ज्यादा टेंशन लेने से भी अक्सर लोगों को बदहजमी की शिकायत होने लगती है। इसके अलावा भोजन भी अच्छी तरह से पच न पाने के कारण भी लोगों को बदहजमी की शिकायत रहती है और खट्टी डकार आने लगते हैं जिसके कारण पूरा दिन खराब हो जाता है। ऐसे में आप कुछ घरेलू नुस्खे अपनाकर बदहजमी की समस्या से राहत पा सकते हैं। आइए जानते हैं इनके बारे में.....

मेथी

यदि आपको खट्टी डकार की समस्या रहती है तो आप मेथी का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए मेथी को रात भर पानी में भिगोकर सुबह खाली पेट इसका पानी पीएं। इससे खट्टी डकार की समस्या से राहत मिलेगी। रोजाना इस नुस्खे का इस्तेमाल करने से आपको फर्क नजर आने लगेगा।

लौंग

इसका सेवन करने से भी पाचन तंत्र एकदम स्वस्थ रहता है। यदि आपको खट्टी डकार की समस्या रहती है तो आप लौंग का पानी या फिर लौंग का सेवन करें। इससे आपको फायदा मिलेगा।

इलायची

खट्टी डकार की समस्या में इलायची का सेवन भी आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। इसका सेवन करने से गैस और खट्टी डकार जैसी समस्या में आराम मिलेगा।

हींग

बदहजमी से राहत पाने के लिए हींग भी बेहद फायदेमंद मानी जाती है। गैस या फिर खट्टी डकार में हींग का सेवन करने से आपको फायदा होगा। हींग को पानी में घोटकर पीएं। इससे पेट का भारीपन और खट्टी डकार की समस्या दूर होगी।

जीरा

जीरा भी पेट की समस्याओं के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। खट्टी डकार, गैस या बदहजमी होने पर जीरे को भूनकर इसका सेवन करें। भूनकर इसके बाद इसे पीसकर पानी में डालकर पीने से भी बदहजमी की समस्या में राहत मिलेगी।

दिल्ली के आसपास मौजूद ये जगहें हैं बेहद खूबसूरत, इस वीकेंड जरूर बनाएं घूमने का प्लान

आज हम आपको दिल्ली से घूमी जाने वाली कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें आप कम बजट में एक्सप्लोर कर सकते हैं। साथ ही यह ट्रिप बजट फ्रेंडली होने वाली है। आइए जानते हैं इन जगहों के बारे में।

दिमाग को शांत रखने के लिए घूमने से अच्छा और कोई ऑप्शन नहीं हो सकता है। क्योंकि ट्रेवलिंग सिर्फ 2 मिनट की हो, या फिर 2 घंटे की दूरी का। लेकिन यह अक्सर हमारे मन को खुशी देने का काम करती है। ऐसे में अगर आप भी बोरियत को खत्म करने के लिए कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं और साथ ही बजट फ्रेंडली ट्रिप पर जाना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दिल्ली से घूमी जाने वाली कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें आप कम बजट में एक्सप्लोर कर सकते हैं। आइए जानते हैं इन जगहों के बारे में...

दिल्ली से आगरा

आगरा शहर दुनिया की एक ऐसी जगह है, जहां पर न सिर्फ भारतीय बल्कि विदेशी पर्टयक भी भारी संख्या में पहुंचते हैं। आगरा में दुनिया के सात अजूबों में शामिल ताजमहल के दीदार के लिए यहां पर्यटकों की भारी भीड़ लगती है। ताजमहल को प्यार का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में आप इस वीकेंड आगरा का ट्रिप प्लान कर सकते हैं। आपको बता दें कि दिल्ली से आगरा ट्रिप के लिए आपके पास 5 हजार रुपए खर्च होंगे। दिल्ली से आगरा की दूरी 233 किमी है।

दिल्ली से जिम कॉर्बेट

भारत के प्रसिद्ध राष्ट्रीय उद्यानों में शामिल जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क वीकेंड गेटवे में से एक है। यहां पर आपको करीब 5 हजार से अधिक पक्षियों की प्रजातियां और स्तनधारियों की 50 प्रजातियों को देखने का मौका मिलेगा। इसके साथ ही अगर यहां पर खाने, रहने, ट्रांसपोर्ट, एंट्री चार्जेस आदि की बात करें, तो आपको दो दिन के लिए प्रति व्यक्ति पर 4000 रुपए खर्च करने पड़ेंगे। दिल्ली से जिम कॉर्बेट की दूरी 246 किमी है।

दिल्ली से उदयपुर

उदयपुर अपनी खूबसूरत झीलों, नजारों और आकर्षक संरचनाओं के लिए फेमस है। यहां पर आप जमकर खरीददारी भी कर सकते हैं। उदयपुर में सूर्यास्त का नजारा देखने लायक होता है। दिल्ली से उदयपुर की दूरी 633 किमी है। यहां पर आपको दो दिन के लिए प्रति व्यक्ति 5 हजार रुपए देने होंगे।

दिल्ली से मैक्लोडगंज

हिमाचल के कांगड़ा जिले में मैक्लोडगंज या लिटिल ल्हासा स्थित है। मैक्लोडगंज प्रकृति से घिरा होने के साथ ही तिब्बती रंग रूप से लदा हुआ है। बता दें कि यह दिल्ली के सबसे अच्छे वीकेंड गेटवे में से एक है। आपकी यह ट्रिप भी बजट फ्रेंडली होने वाली हैं। यहां पर आप तिब्बती कार्य पुस्तकालय, तिब्बती आर्ट कल्चर संस्थान, स्थानीय कैफे और मैक्लोडगंज का मठ में तिब्बती संस्कृति की झलक देख सकते हैं। दिल्ली से मैक्लोडगंज की दूरी 488 किमी है।

दिल्ली से ऋषिकेश

ऋषिकेश एक आध्यात्मिक और बेहद खूबसूरत शहर है। यहां पर लोग एडवेंचर का लुत्फ उठाते हैं। ऐसे में आप भी ऋषिकेष में कैंपिंग और राफ्टिंग से लेकर बंजी तक का आनंद ले सकते हैं। एडवेंचर और प्रकृति प्रेमियों के लिए यह जगह बेस्ट है। दिल्ली से ऋषिकेश तक जाने की दूरी 242 किमी है।

पाकिस्तान के खिलाफ बुमराह की वापसी संभव, स्पिन तिकड़ी पर फिर भरोसा जताएगा भारत ?

दुबई। भारत और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर एशिया कप में आमने–सामने होंगे। सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम ने ग्रुप चरण में एकतरफा अंदाज में इस चिर प्रतिद्वंद्वी टीम को पटखनी दी थी और वे अब सुपर चार चरण मेंभी इस लय को बरकरार रखने उतरेंगे। भारत और पाकिस्तान के बीच यह मैच और भी दिलचस्प होगा क्योंकि पिछले मैच में हुए हैंडशेक विवाद के बाद दोनों टीमों के बीच तल्खी बढ़ना तय है।

भारत ने बल्लेबाजी क्रम में किए थे प्रयोग

भारत ने ग्रुप चरण में दमदार प्रदर्शन किया और अपने तीनों मैच जीतकर ग्रुप ए में शीर्ष पर रही। भारत ने ओमान के खिलाफ प्लेइंग–11 में दो बदलाव किए थे और जसप्रीत बुमराह तथा वरुण चक्रवर्ती को आराम देकर तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा को मौका दिया था। भारत ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया और ओमान के खिलाफ अपने बल्लेबाजी आक्रमण को परखा। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इस मैच में बल्लेबाजी क्रम में प्रयोग किए और खुद को 11वें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए रखा, जबकि संजू सैमसन को तीसरे स्थान पर बल्लेबाजी के लिए भेजा। सैमसन ने इस मौके का फायदा उठाते हुए अर्धशतक जड़ा। ओमान के खिलाफ भारत को बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभाग में सबक मिले और इसने दिखाया कि भारतीय टीम को कहां सुधार करने की जरूरत है। भारत ने पहले दो मैच जहां आसानी से अपने नाम किए थे, वहीं ओमान के खिलाफ जीत दर्ज करने के लिए उसे मेहनत करनी पड़ी। पाकिस्तान के खिलाफ यह तय माना जा रहा है कि भारत अपनी पिछली रणनीति ही अपनाएगा। दरअसल, टीम पहले दो मैच में तीन स्पिनर और बुमराह के रूप में एक विशेषज्ञ तेज गेंदबाज के साथ खेलने उतरी थी। यह रणनीति सफल रही थी।

अर्शदीप–हर्षित को बैठना पड़ सकता है बाहर

भारत ने ओमान के खिलाफ अर्शदीप और हर्षित को परखा, लेकिन ये दोनों ही गेंदबाज बहुत ज्यादा प्रभावी नहीं रहे। अर्शदीप ने हालांकि, टी20 अंतरराष्ट्रीय में 100 विकेट पूरे किए और वह ऐसा करने वाले भारत के पहले गेंदबाज बने। दूसरी ओर, हर्षित को भी एक सफलता मिली, लेकिन दुबई की पिच धीमी होती है जहां स्पिनरों को मदद मिलती है। भारत को अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती की स्पिन तिकड़ी से उम्मीदें होंगी। अक्षर ओमान के खिलाफ चोटिल हो गए जिसने भारत की चिंता बढ़ाई, लेकिन फील्डिंग कोच टी दिलीप ने स्पष्ट किया कि अक्षर अच्छी स्थिति में हैं जिससे इस बात की संभावना बढ़ गई है कि वह पाकिस्तान के खिलाफ मैच का हिस्सा होंगी। अगर अक्षर फिट नहीं हो पाते हैं तो उनकी जगह वाशिंगटन सुंदर या रियान पराग को मिल सकती है। ऐसे में हो सकता है कि भारत इस स्पिन तिकड़ी के साथ दोबारा उतरे और तेज गेंदबाज के तौर पर बुमराह और हार्दिक पांड्या जिम्मेदारी संभालें। पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में इस स्पिन तिकड़ी ने कुल छह विकेट चटकाए थे, जबकि बुमराह और हार्दिक ने मिलकर तीन विकेट लिए थे।

ओमान के खिलाफ बल्लेबाजी नहीं करने पर सूर्यकुमार को मिला गावस्कर का साथ, बोले- अभ्यास की जरूरत नहीं

दुबई। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने ओमान के खिलाफ एशिया कप के मुकाबले में बल्लेबाजी नहीं की थी। भारत ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया, लेकिन सूर्यकुमार बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे। उनके इस फैसले से जहां सभी प्रशंसक चौंक गए, वहीं दूसरी तरफ पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने सूर्यकुमार के इस फैसले का स्वागत किया है।

11वें नंबर पर उतरने के लिए तैयार थे सूर्यकुमार

ओमान के खिलाफ अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल ने पारी की शुरुआत की, लेकिन गिल ज्यादा देर क्रीज पर नहीं टिक सके। दिलचस्प बात यह रही कि तीसरे स्थान पर सूर्यकुमार की जगह संजू सैमसन उतरे जिन्हें पिछले दो मैच में बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला था। ओमान के खिलाफ भारत की रणनीति यह थी कि उन खिलाड़ियों को बल्लेबाजी का मौका दिया जाए जिन्हें अब तक बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला। इसी कारण सूर्यकुमार ने खुद के बजाए अन्य बल्लेबाजों को भेजा, जबकि गेंदबाजों से भी उन्होंने बल्लेबाजी कराई। सूर्यकुमार बल्लेबाजी के लिए तैयार बैठे थे और 11वें नंबर पर उतरने के लिए तैयार थे, लेकिन उन्हें बल्लेबाजी का मौका ही नहीं मिल सका।

गावस्कर ने बताई वजह

गावस्कर ने इरफान पठान के साथ बातचीत में कहा, अगर सूर्यकुमार एक ओवर भी बल्लेबाजी करते तो कुछ चौके और छक्के लगा सकते थे और यह उनके लिए अच्छा होता। लेकिन जिस तरह से उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ बल्लेबाजी की, शायद उन्हें बल्लेबाजी अभ्यास की जरूरत नहीं है। उन्होंने शायद सोचा होगा कि अगर भारत किसी मैच में जल्दी विकेट गंवा देता है तो कुलदीप यादव की बल्लेबाजी काम आ सकती है। शायद इसीलिए उन्होंने कुलदीप को बल्लेबाजी के लिए भेजा होगा। भारतीय टीम का सामना अब रविवार को पाकिस्तान से होगा। भारतीय टीम टूर्नामेंट में अजेय बनी हुई है और उसने अब तक एक भी मैच नहीं गंवाया है। भारत ने ग्रुप चरण में तीनों मैच जीतकर सुपर चार चरण में जगह बनाई है। सूर्यकुमार ने पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में टीम को जीत दिलाई थी और अब उनकी कोशिश एक बार फिर बड़ी पारी खेलनी की होगी।

संक्षिप्त

यूएई की कंपनियां भारत में कई क्षेत्रों में निवेश करने को इच्छुक : गोयल

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि यूएई की कंपनियां भारत में अपना निवेश बढ़ाने के लिए बुनियादी ढांचा, डेटा सेंटर, बैंकिंग, नए स्टार्टअप और लॉजिस्टिक जैसे क्षेत्रों में रुचि ले रही हैं। गोयल ने बताया कि दोनों देशों ने अपने लक्ष्यों को फिर से निर्धारित किया है और विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से निवेश बढ़ाने और नवीकरणीय ऊर्जा, जहाज निर्माण, खुदरा और दवाओं जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''बुनियादी ढांचा उन प्रमुख क्षेत्रों में से एक है जहां वे (यूएई) भारी संभावनाएं देख सकते हैं। बैंकिंग क्षेत्र और स्टार्टअप में काफी रुचि है। संभावित निवेशकों की रुचि भारत की लॉजिस्टिक व्यवस्था और हरित ऊर्जा में भी है। यूएई निवेश करने के लिए उत्सुक है।'' मंत्री यहां भारत और यूएई के निवेश पर गठित उच्च–स्तरीय कार्यबल की 13वीं बैठक में भाग लेने संयुक्त अरब अमीरात आए थे।दो दिन की उनकी यात्रा 19 सितंबर को समाप्त हुई। उन्होंने कहा कि ऐसे कई तरीके हैं जिनसे भारत यूएई की कंपनियों के साथ सहयोग बढ़ा सकता है। निवेश के मामले में यूएई की क्षमता अद्वितीय है। मंत्री ने कहा, ''अब यूएई उच्च–तकनीकी क्षेत्रों में भी बहुत निवेश कर रहा है, इसलिए हम प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी बड़े सहयोग की उम्मीद कर सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि बैंकरों को भारत में अपने परिचालन का विस्तार करना बहुत आकर्षक लग रहा है। गोयन ने कहा कि यूएई, भारत को एक प्रमुख निवेश गंतव्य मानता है।

सेबी ने 'नॉमिनी' से कानूनी उत्तराधिकारियों को प्रतिभूति हस्तांतरण के नियम को सरल बनाया

बाजार नियामक सेबी ने शुक्रवार को 'नॉमिनी' यानी नामित व्यक्ति से कानूनी उत्तराधिकारी को प्रतिभूतियों के हस्तांतरण की प्रक्रिया को सरल कर दिया। फिलहाल जब कोई नामित व्यक्ति किसी कानूनी उत्तराधिकारी को प्रतिभूतियां हस्तांतरित करता है तो इस लेनदेन को कभी–कभी 'हस्तांतरण' माना जा सकता है और उसका आकलन पूंजीगत लाभ कर लगाने के रूप में किया जा सकता है। हालांकि आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 47(तीन) के तहत इस तरह के हस्तांतरण पर कर नहीं लगना चाहिए। नामित व्यक्ति बाद में धनवापसी का दावा कर सकता है लेकिन इससे उसे अनावश्यक असुविधा होती है। इस समस्या के समाधान के लिए एक कार्य समूह ने केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) से परामर्श किया और एक नए रिपोर्टिंग कोड 'टीएलएच' (कानूनी उत्तराधिकारियों को हस्तांतरण) के उपयोग की सिफारिश की। यह कोड यह सुनिश्चित करने में मदद करेगा कि ऐसे हस्तांतरण की सही ढंग से सूचना दी जाए और उन पर पूंजीगत लाभ के रूप में कर नहीं लगाया जाए। सेबी ने अपने परिपत्र में कहा, ''यह निर्णय लिया गया है कि नामित व्यक्ति से कानूनी उत्तराधिकारी को प्रतिभूतियों के हस्तांतरण की रिपोर्ट करते समय रिपोर्टिंग संस्थाओं द्वारा सीबीडीटी को एक मानक कोड 'टीएलएच' का उपयोग किया जाएगा ताकि आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों का उचित उपयोग हो सके।'' एक जनवरी, 2026 से आरटीए (पंजीयक और हस्तांतरण एजेंट), सूचीबद्ध कंपनियों, डिपॉजिटरी और डिपॉजिटरी प्रतिभागियों सहित सभी रिपोर्टिंग संस्थाएं, सीबीडीटी को इन लेनदेन की रिपोर्ट करते समय 'टीएलएच' कोड का उपयोग करेंगी। इससे पहले सेबी ने नामित व्यक्तियों की नियुक्ति की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया था। नामित व्यक्ति मूल प्रतिभूति धारक की प्रतिभूतियों के ट्रस्टी के रूप में कार्य करता है और उत्तराधिकार योजना के अनुरूप प्रतिभूतियों को कानूनी उत्तराधिकारी को हस्तांतरित करता है।

नए जीएसटी सुधारों से बढ़ेगी आमदनी–खपत, वित्त मंत्री बोलीं– जनता तक पहुंचेंगे दो लाख करोड़ रुपये

चेन्नई। देशभर में नए जीएसटी दरों को लेकर चर्चा तेज है। 22 सितंबर से लागू होने वाले इन दरों को लेकर लोगों ने अपनी मिली जुली प्रतिक्रियाएं भी दी है। ऐसे में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक बार फिर इन नए दरों को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि 22 सितंबर से लागू होने वाले नए जीएसटी सुधारों के कारण देश के लोगों के हाथ में लगभग दो लाख करोड़ रुपये बचेंगे, जिससे घरेलू खर्च और खपत बढ़ेगी। तमिलनाडु फूडग्रेन मर्चेंट्स एसोसिएसन के 80वें स्थापना दिवस समारोह में बोलते हुए सीतारमण ने कहा कि जीएसटी की दरों को चार स्लैब से घटाकर अब केवल दो स्लैब किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि इससे खासकर गरीब, मध्यम वर्गीय परिवार और छोटे–मध्यम उद्योग को फायदा मिले।

सामान की कीमतें होंगी कम– सीतरमण

सीतारमण ने कहा कि इस सुधार के बाद सामान की कीमतें कम होंगी, जिससे लोग ज्यादा खरीदारी करेंगे। उदाहरण के तौर पर, यदि कोई साबुन ज्यादा मात्रा में खरीदता है, तो निर्माता उत्पादन बढ़ाएगा, जिससे रोजगार बढ़ेंगे और सरकार को अधिक टैक्स मिलेगा। यह एक सकारात्मक चक्र है जो अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा होगा। इस दौरान वित्त मंत्री ने ये भी बताया कि जीएसटी लागू होने से पहले टैक्स देने वाले उद्यमियों की संख्या 65 लाख थी, जो अब बढ़कर 1.5 करोड़ हो गई है।

कांग्रेस की आलोचना पर भी दिया जवाब

इसके साथ ही वित्त मंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के जीएसटी को गब्बर सिंह टैक्स कहकर आलोचना करने की बात पर भी पलटवार किया। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है, बल्कि इसने टैक्स आधार बढ़ाया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पिछले आठ वर्षों में सरकार ने किसी उत्पाद पर ज्यादा टैक्स नहीं लगाया है और अब जो कटौती हो रही है वह सही और लोगों के हित में है।

निर्मला सीतारमण का कहना है कि जीएसटी सुधारों से देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और गरीब, मध्यम वर्ग व एमएसएमई को राहत मिलेगी।

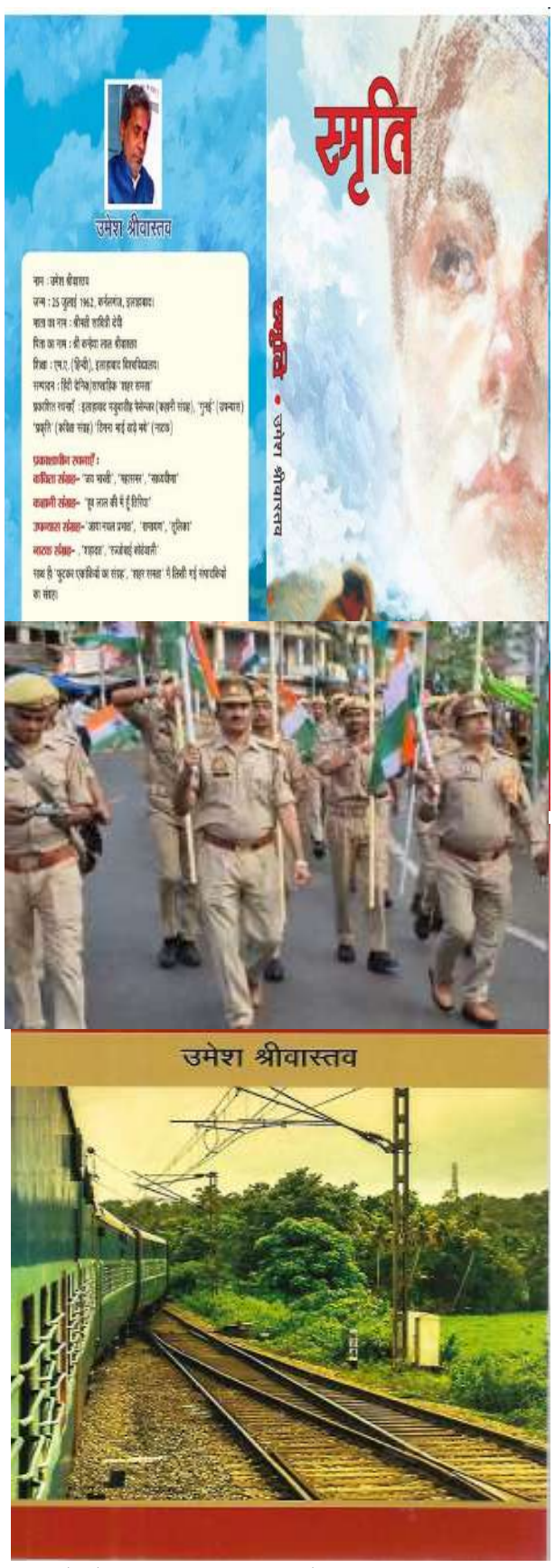

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

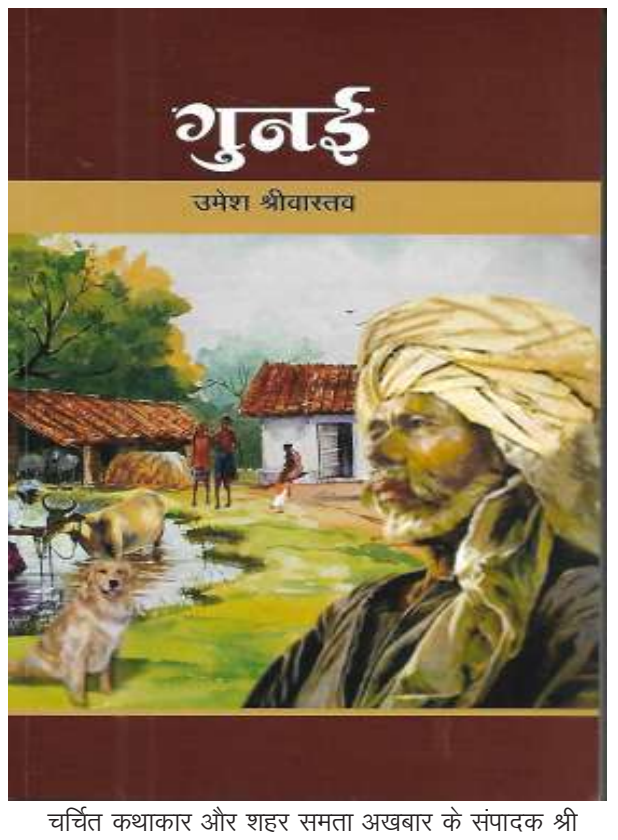

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

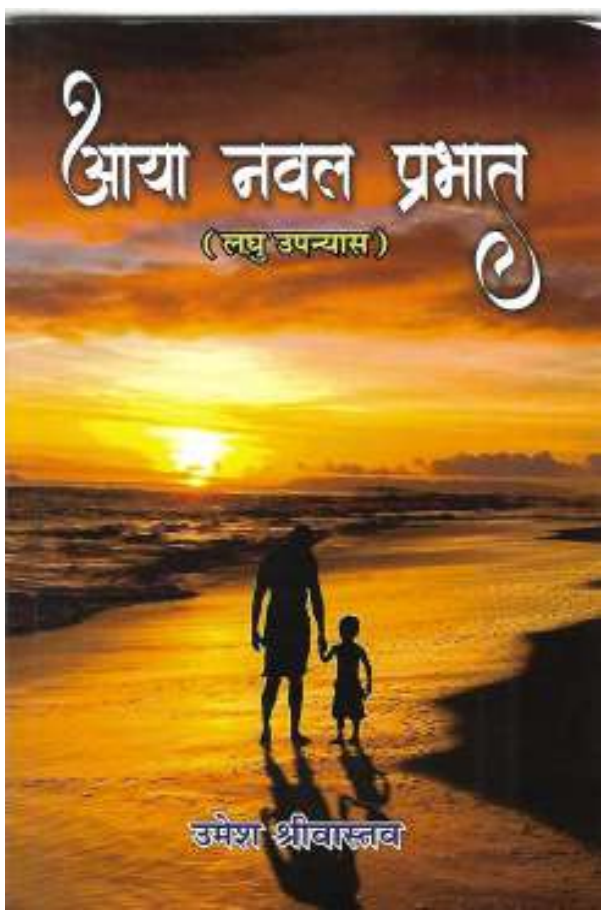

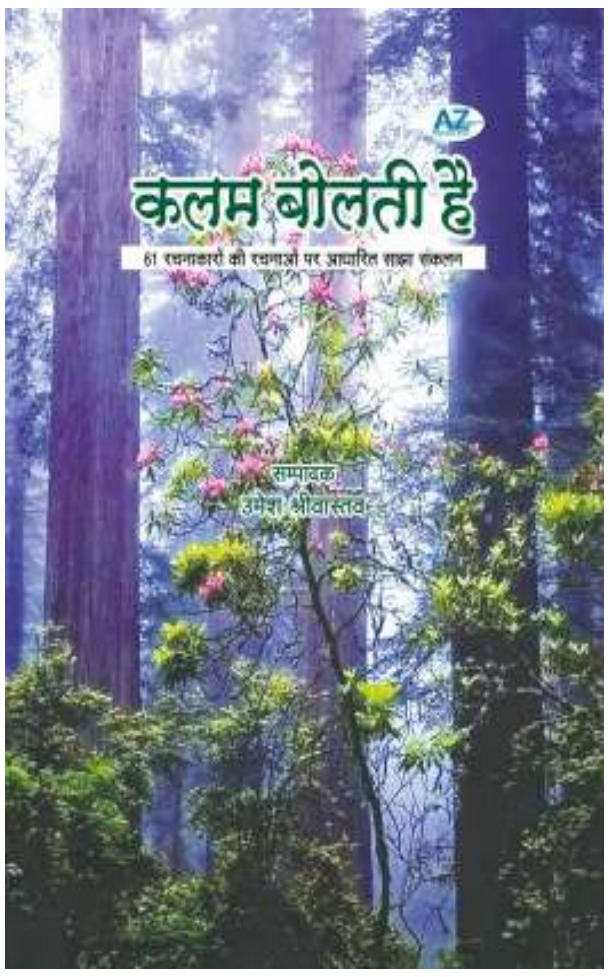

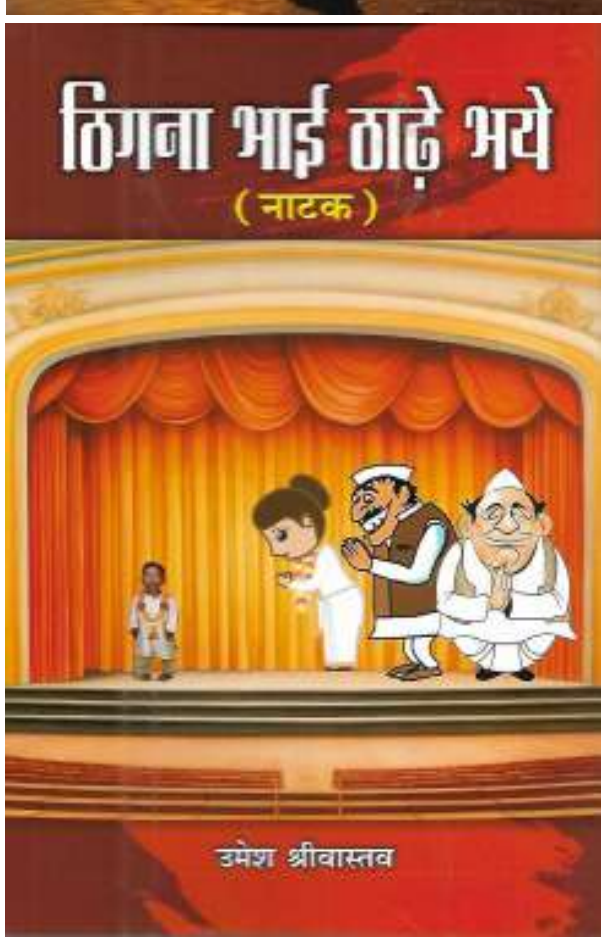

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त समाचार

भारत ने फलस्तीन के राष्ट्रपति अब्बास के संरा महासभा के सत्र को संबोधित करने का समर्थन किया

भारत ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के उस प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया, जो फलस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आगामी उच्च स्तरीय सत्र को संबोधित करने की अनुमति देता है। इससे पहले, अमेरिका ने फलस्तीनी अधिकारियों को वीजा देने से इनकार कर दिया था, जिससे वे सत्र में व्यक्तिगत रूप से हिस्सा नहीं ले पाएंगे। संयुक्त राष्ट्र की 193 सदस्यीय महासभा ने अपने 80वें सत्र में 'फलस्तीन

राष्ट्र की भागीदारी' शीर्षक से एक प्रस्ताव पारित किया, जिसके पक्ष में 145 देशों ने मतदान किया, जबकि पांच ने विरोध में वोट दिया और छह देशों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। अमेरिका और इजराइल ने इस प्रस्ताव का विरोध किया, जबकि भारत इसका समर्थन करने वाले देशों में शामिल था। प्रस्ताव में अमेरिका के फलस्तीनी प्रतिनिधियों को वीजा देने से इनकार करने और उनके वीजा रद्द करने के निर्णय पर खेद व्यक्त किया गया, जिससे उन्हें संयुक्त राष्ट्र की बैठकों में भाग लेने से प्रभावी रूप से रोक दिया गया। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र की आम बहस 23 सितंबर को शुरू होगी, जिसमें फलस्तीनी राष्ट्राध्यक्ष 25 सितंबर को विश्व नेताओं को संबोधित करेंगे।

अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में समुद्री जैव विविधता की सुरक्षा के लिए विश्व की पहली संधि पर मुहर

समुद्री जैव विविधता की रक्षा के लिए पहला कानूनी ढांचा है, जो उन जल क्षेत्रों पर लागू होती है, जो किसी एक देश के अधिकार क्षेत्र के बाहर हैं। अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र महासागर का लगभग दो–तिहाई और पृथ्वी की सतह का लगभग आधा हिस्सा है। मोरक्को शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में समुद्री जैव विविधता की सुरक्षा के लिए पहली संधि को अनुमोदित करने वाला

60वां देश बन गया। यह संधि अगले साल की शुरुआत से लागू होगी। संधि अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में समुद्री जैव विविधता की रक्षा के लिए पहला कानूनी ढांचा है, जो उन जल क्षेत्रों पर लागू होती है, जो किसी एक देश के अधिकार क्षेत्र के बाहर हैं। अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र महासागर का लगभग दो–तिहाई और पृथ्वी की सतह का लगभग आधा हिस्सा है।

शिकागो क्षेत्र में अब तक 400 से अधिक गिरफ्तारियां हुई : आव्रजन विभाग

आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन ने शुक्रवार को कहा कि उसने दो सप्ताह से भी कम समय पहले 'ऑपरेशन मिडवे ब्लिट्ज' शुरू करने के बाद से शिकागो में 400 गिरफ्तारियां की हैं। इससे पहले लॉस एंजिलिस और वाशिंगटन में भी व्यापक स्तर पर ऐसा ही अभियान चलाया गया था। एक तरफ जहां इस अभियान में

अत्यधिक बल प्रयोग के आरोप लगे हैं, वहीं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों का कहना है कि आव्रजन संबंधी अभियानों के जरिये ट्रंप बड़े पैमाने पर निर्वासन के अपने वादे को पूरा कर रहे हैं।

यूरोप के कई हवाई अड्डों पर बड़ा साइबर हमला, यात्री हो रहे परेशान

चेक–इन और बोर्डिंग सिस्टम के लिए ज़िम्मेदार सेवा प्रदाता को निशाना बनाकर किए गए एक साइबर हमले ने ब्रुसेल्स हवाई अड्डा, लंदन हीथ्रो और बर्लिन ब्रैंडेनबर्ग हवाई अड्डे जैसे कई प्रमुख यूरोपीय हवाई अड्डों पर भारी व्यवधान पैदा कर दिया है। शुक्रवार देर रात हुए इस हमले के कारण हवाई अड्डों को मैन्युअल चेक–इन और बोर्डिंग प्रक्रिया अपनानी पड़ी, जिसके कारण उड़ानों में काफ़ी देरी हुई और उड़ानें रद्द हुईं। ब्रुसेल्स हवाई अड्डे पर कई उड़ानें रद्द कर दी गईं और यात्रियों को सलाह दी गई कि वे केवल तभी यात्रा करें जब उनकी उड़ानें कन्फर्म हों। उन्होंने यात्रियों से शेंगेन उड़ानों से दो घंटे पहले और गैर–शेंगेन उड़ानों से तीन घंटे पहले पहुँचने का आग्रह किया ताकि धीमी मैन्युअल प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाया जा सके। लंदन हीथ्रो ने भी तीसरे पक्ष के सेवा प्रदाता द्वारा उत्पन्न तकनीकी समस्या के कारण देरी की चेतावनी दी। हालाँकि प्रभावित हवाई अड्डों की पूरी सूची अभी तक ज्ञात नहीं है, लेकिन व्यवधान व्यापक था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

नाचते–नाचते ट्रंप ने अब भारतीयों पर गिराया 'वीजा बम', हर साल देनी पड़ेगी 88 लाख रुपए की फीस

अमेरिका जाने का सपना देख रहे भारतीय प्रोफेशनल्स के लिए एक बहुत बड़ी और चौंकाने वाली खबर आ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एच1बी वीजा नियमों में ऐसा भूकंप ला दिया है जिससे अमेरिका की पूरी टेक इंडस्ट्री और दुनियाभर के प्रोफेशनल्स के बीच हलचल मच गई है। दरअसल, अब एच1बी वीजा के लिए कंपनियों को एक लाख डॉलर यानी करीब 88 लाख रुपए की भारी भरकम फीस देनी होगी। अमेरिका दुनियाभर के टैलेंट को अपनी ओर खींचने के लिए जाना जाता रहा है। लेकिन अब अमेरिकन ड्रीम की राह पहले जैसी आसान नहीं होगी। नए नियम के तहत अब एच1बी वीजा स्पांसर करने वाली कंपनियों को अब हर आवेदन के साथ एक लाख डॉलर की फीस चुकानी होगी। इस एक फैसले ने अमेरिका में काम करने की चाह रखने वाले लाखों प्रोफेसनल्स खासकर भारतीयों की उम्मीदों पर सवालिया निशान लगा दिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार को व्हाइट हाउस में इस ऑर्डर पर साइन किए। अब तक एच–1बी वीजा की एप्लिकेशन फीस 1 से 6 लाख रुपए तक थी। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि एच–1ठ का 1,00,000 डॉलर का शुल्क एक बार का शुल्क नहीं है। यह हर साल 1,00,000 डॉलर है। एच–1ठ अब खत्म हो चुका है। बेहतर होगा कि इसे औपचारिक रूप से समाप्त कर दिया जाए।

एच1बी वीजा क्या होता है

एच–1बी नॉन–इमिग्रेंट वीजा प्रोग्राम अमेरिकी नियोक्ताओं को विशेष व्यवसायों में अस्थायी रूप से विदेशी श्रमिकों को नियुक्त करने की अनुमति देता है। ऐसे व्यवसायों को कानून इस रूप में परिभाषित करता है कि उनके लिए अत्यधिक विशिष्ट ज्ञान और विशिष्ट विशेषता में स्नातक (बैचलर) या उच्च डिग्री या इसके समकक्ष योग्यता की आवश्यकता होती है। ये वीजा तीन साल के लिए जारी होता है, जिसे 6 साल तक बढ़ाया जा सकता है। हर साल अमेरिकी सरकार 65000एच1बी वीजा जारी करती है। जबकि 20 हजार अतिरिक्त वीजा अमेरिकी विश्वविद्यालयों से मास्टर या पीएचडी करने वालों के लिए जारी किए जाते हैं।

इसके बंद होने से भारतीयों को कितना नुकसान होगा

भारत लंबे समय से एच1बी वीजा का लाभ लेने वाला देश रहा है, विशेषरूप से आईटी और टेक्नोलॉजी पेशेवरों के लिए। हर साल हजारों भारतीय इंजीनियर, डॉक्टर और शोधकर्ता एच1बी वीजा से अमेरिका जाते हैं। अगर नियम सख्त किए गए या रोक लगाई गई तो इसका सीधा असर भारत के आईटी सेक्टर या भारतीय टैलेंट पर पड़ेगा।

2015 के बाद से भारतीयों को हर साल 70: हिस्सेदारी

गौरतलब है कि भारत में जन्मे लोग एच–1बी कार्यक्रम के सबसे बड़े लाभार्थी हैं। अमेरिकी सरकार के आंकड़ों से पता चलता है कि 2015 से हर साल स्वीकृत होने वाले सभी एच–1बी आवेदनों में से 70 प्रतिशत से ज़्यादा भारतीय हैं। चीन में जन्मे लोग दूसरे स्थान पर हैं, जो 2018 से 12–13 प्रतिशत के आसपास मँडरा रहे हैं। द इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार, अक्टूबर 2022 और सितंबर 2023 के बीच, भ्–1ठ कार्यक्रम के तहत जारी किए गए लगभग 4 लाख वीज़ा में से 72 प्रतिशत भारतीय नागरिकों को मिले। इसी अवधि के दौरान, अमेरिका में मौजूद शीर्ष चार भारतीय आईटी कंपनियों – इंफोसिस, टीसीएस, एचसीएल और विप्रो – को लगभग 20,000 कर्मचारियों को H-1B वीज़ा पर काम करने की मंजूरी मिली, जैसा कि अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (न्बै) के आंकड़ों से पता चलता है।

सऊदी अरब को मिली गद्दारी की सजा भारत ने उसके कट्टर दुश्मन से हाथ मिला साइन की गजब की डील

पाकिस्तान के साथ डिफेंस डील करने वाले सऊदी अरब को भारत ने तगड़ा जवाब देना शुरू कर दिया है। एक तरफ सऊदी अरब और पाकिस्तान अपनी बर्बादी की डील साइन कर रहे थे। ठीक उसी वक्त भारत सऊदी अरब के पड़ोसी देश संयुक्त अरब अमीरात में बड़ा खेल कर आया। इसी बीच सऊदी अरब के कट्टरपंथियों ने ऐसा ऐलान कर दिया जो उनके खुद के देश को डुबो देगा। इतना ही नहीं सऊदी अरब का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट बुरी तरह से फेल हो रहा है। सऊदी अरब पर वैश्विक कर्ज बढ़ता जा रहा है।

भारत ने यूएई में मचाया तहलका

भारत ये कभी नहीं चाहता था कि सऊदी अरब उसका दुश्मन बने। लेकिन सऊदी अरब ने यही रास्ता चुना। ऐसे में जवाब देना बनता था और

तगड़ा जवाब दिया भी गया है। सऊदी अरब के भारत विरोधी कदम उठाने के बाद भारत का एक प्रतिनिधिमंडल मीडिल ईस्ट में सऊदी अरब के सबसे बड़े प्रतिद्वंवदी संयुक्त अरब अमीरात पहुंच गया और वहां जाकर बहुत बड़ी डील का ऐलान कर दिया। ये डील सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुई डील से भी बड़ी है। इस डील से संयुक्त अरब अमीरात का भविष्य सुरक्षित हो जाएगा। लेकिन सऊदी अरब बुरी तरह से फंस जाएगा।

मिलकर करेंगे बड़े पैमाने पर निवेश

भारत और यूएई मिलकर तीसरे देशों में बड़े पैमाने पर निवेश करेंगे। इससे उन देशों में अच्छा इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार होगा, साथ ही भारत के कुशल लोगों को बड़ी संख्या में रोजगार मिलेगा। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ने दोनों देशों के इंडस्ट्री लीडर्स के साथ मीटिंग के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा कि यूएई में बनने वाले भारत मार्ट की तर्ज पर दूसरे देशों में भी काम किया जाएगा, जिससे छोटे उद्यमियों और एमएसएमई को बड़ी मात्रा में निर्यात करने का मौका मिलेगा।

भारत में बिजनेस बढ़ाने में बैंकरों की दिलचस्पी

यूएई के फॉरेन ट्रेड मिनिस्टर डॉ. थानी बिन अहमद अल जेयोदी के साथ यूएई–इंडिया बिजनेस काउंसिल राउंड टेबल की अध्यक्षता करने के बाद गोयल ने कहा कि श्बातचीत बहुत सार्थकश रही और दोनों पक्ष संबंधों को और मजबूत करने की राह पर बढ़ेंगे। गोयल ने बताया कि यूएई के बैंकरों के साथ मीटिंग हुई और वे भारत में बिजनेस बढ़ाने में बहुत दिलचस्पी दिखा रहे हैं। भारत और यूएई ने तीसरे देशों में इंफ्रास्ट्रक्चर, माइनिंग और हाउसिंग जैसे सेक्टरों में मिलकर करने का फैसला किया है। गोयल ने कहा यूएई के पास भारत और तीसरे देशों में बड़े पैमाने पर निवेश करने की क्षमता है।

भारत के वार से घबराए आतंकी, जैश–ए–मोहम्मद और हिज्बुल मुजाहिदीन ने बदली रणनीति, खैबर पख्तूनख्वा में नया ठिकाना

ऑपरेशन सिंदूर के बाद, जिसने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में कम से कम नौ बड़े आतंकवादी ठिकानों का सफाया कर दिया, पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी संगठनों ने अपने ठिकानों को पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा (केपीके) में और भी गहराई तक स्थानांतरित कर दिया है। जैश–ए–मोहम्मद (जेईएम) और हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) जैसे समूह अब केपीके में अपनी स्थिति फिर से मजबूत कर रहे हैं, और भारतीय हमलों से बचने के लिए इसके दुर्गम इलाकों, अफगानिस्तान से निकटता और लंबे समय से जिहादियों के सुरक्षित ठिकानों का फायदा उठा रहे हैं। सूत्रों से पता चलता है कि यह आंदोलन पाकिस्तान की राज्य संरचनाओं की प्रत्यक्ष सहायता से संचालित किया जा रहा है, जैसा कि पुलिस संरक्षण में आयोजित जैश–ए–मोहम्मद के खुलेआम जमावड़ों और जमीयत उलेमा–ए–इस्लाम (जेयूआई) जैसे राजनीतिक–धार्मिक संगठनों की मौन भागीदारी से स्पष्ट है।

सुरक्षित ठिकानों की ओर रणनीतिक बदलाव

यह बदलाव इन आतंकवादी संगठनों द्वारा एक रणनीतिक अनुकूलन को दर्शाता है, जो इस धारणा से प्रेरित है कि पीओके सटीक भारतीय हमलों के लिए असुरक्षित हो गया है। केपीके उन्हें अधिक रणनीतिक गहराई और अफगान सीमा के निकट होने का अवसर प्रदान करता है, जिससे वे कम जोखिम के साथ फिर से संगठित हो सकते हैं और अपने अभियान जारी रख सकते हैं।

ऑपरेशन सिंदूरः लक्षित भारतीय जवाबी कार्रवाई

7 मई (बुधवार) को शुरू किया गया, ऑपरेशन सिंदूर, 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए घातक आतंकवादी हमले का भारत द्वारा किया गया सुनियोजित जवाब था, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। इस अभियान में सैन्य या नागरिक क्षेत्रों को निशाना बनाए बिना, पीओके और पाकिस्तान में नौ आतंकवादी ढाँचों पर सटीक मिसाइल हमले किए गए, जिससे भारत के आतंकवादी नेटवर्क को ध्वस्त करने के प्रति केंद्रित दृष्टिकोण का पता चलता है, जबकि व्यापक संघर्ष में वृद्धि से बचा जा रहा है।

पर्दे के पीछे : पाकिस्तान की भूमिका

भारतीय सूत्रों का दावा है कि आतंकवादी समूहों की गतिविधियों को पाकिस्तान की सरकारी संरचनाओं की ष्पूरी जानकारी और प्रत्यक्ष समर्थनष से बढ़ावा मिलता है। साक्ष्यों में पुलिस सुरक्षा में पाकिस्तान में जैश–ए–मोहम्मद के हालिया जमावड़े और जमीयत उलेमा–ए–इस्लाम (जेयूआई) जैसे राजनीतिक–धार्मिक संगठनों का सहयोग शामिल है।

खैबर पख्तूनख्वा में हाई–प्रोफाइल जन–आंदोलन

खैबर पख्तूनख्वा के मनसेहरा जिले के गढ़ी हबीबुल्लाह कस्बे में एक उल्लेखनीय घटना घटी, जहाँ 14 सितंबर (रविवार) को भारत–पाकिस्तान क्रिकेट मैच से कुछ घंटे पहले जैश–ए–मोहम्मद ने एक सार्वजनिक भर्ती कार्यक्रम आयोजित किया। जैश–ए–मोहम्मद के वरिष्ठ नेता मौलाना मुफ्ती मसूद इलियास कश्मीरी, जो भारत द्वारा वांछित है और जैश–ए–मोहम्मद के संस्थापक मौलाना मसूद अजहर से निकटता से जुड़ा है, ने सशस्त्र आतंकवादियों और स्थानीय पुलिस की सुरक्षा में आयोजित इस रैली में भाषण दिया और पाकिस्तान के सरकारी तंत्र के मौन समर्थन पर प्रकाश डाला।

एक सतत चुनौती

कई भारतीय सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों द्वारा संकलित यह डोजियर सीमा पार आतंकवाद की उभरती गतिशीलता और इन समूहों का मुकाबला करने में भारत के सामने आने वाली चुनौतियों को रेखांकित करता है, जिसके लिए निरंतर सतर्कता और सक्रिय कार्रवाई आवश्यक है।

ईरान ने पीछे खींचे अपने कदम, UN से वापस लिया परमाणु स्थलों पर हमलों पर प्रतिबंध लगाने वाला प्रस्ताव

ईरान ने परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमलों पर रोक लगाने वाले उस प्रस्ताव को वापस लेने का फैसला किया, जिसे उसने चीन, रूस और अन्य देशों के साथ मिलकर संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था के सदस्य देशों की वार्षिक बैठक में मतदान के लिए रखा था। प्रस्ताव वापस लेने का यह फैसला ऐसे समय में आया है जब अमेरिका के सहयोगी देशों ने ईरान के परमाणु

कार्यक्रम को लेकर उस पर संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंध फिर से लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पश्चिमी राजनयिकों ने, जिन्होंने आंतरिक विचार–विमर्श के लिए नाम न छापने की शर्त पर बात की, कहा कि अमेरिका इस प्रस्ताव को पारित होने से रोकने के लिए पर्दे के पीछे से ज़ोरदार पैरवी कर रहा है। राजनयिकों ने बताया कि इससे पहले, अमेरिका ने यह संभावना जताई थी कि अगर यह प्रस्ताव पारित हो जाता है और अगर एजेंसी, एजेंसी के भीतर इज़राइल के अधिकारों को कम करने का कदम उठाती है, तो वह अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को मिलने वाले धन में कटौती कर सकता है। 1981 में इराक में एक परमाणु रिएक्टर पर इज़राइली हमले के परिणामस्वरूप, IAEA के तकनीकी सहायता कार्यक्रम के तहत इज़राइल को दी जाने वाली सहायता निलंबित कर दी गई थी। उस समय, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, IAEA महाधिवेशन और IAEA बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा पारित प्रस्तावों में इस हमले की कड़ी निंदा की गई थी। आईएईए के महाधिवेशन को संबोधित करते हुए, संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत रेजा नजफी ने घोषणा की कि सद्भावना और रचनात्मक सहयोग की भावना से प्रेरित होकर, और कई सदस्य देशों के अनुरोध पर, उन्होंने अगले साल के सम्मेलन तक मसौदे पर कार्रवाई स्थगित कर दी है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

भारत से युद्ध की स्थिति में सऊदी अरब करेगा पाक की रक्षा, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का बड़ा दावा

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने खुलासा किया कि पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए नए सुरक्षा समझौते के तहत, भारत के हमले की स्थिति में सऊदी अरब पाकिस्तान की रक्षा के लिए आगे आएगा। शुक्रवार को पाकिस्तानी समाचार चौनल जियो टीवी से बात करते हुए, आसिफ ने पुष्टि की कि अगर भारत पाकिस्तान के खिलाफ शत्रुता शुरू करता है, तो सऊदी अरब हस्तक्षेप करने के लिए बाध्य होगा।

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए, कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आसिफ ने कहा कि हाँ, बिल्कुल। इसमें कोई शक नहीं है।